तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 36 अंक 25 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 25 अक्टूबर 2024 डाक 26 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी नई दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित कार्यों की तैनाती के संबंध में समीक्षा बैठक के दौरान

देश-विदेश
दिल्ली मेट्रो की महिला कोच में लगे विज्ञापन पर बवाल, सोशल मीडिया पर जमकर वायरल

फीचर पेज
खबरदारः स्कूल में गुटका, तम्बाकू खाने वाले शिक्षकों की ली जाएगी क्लास

ओडिशा-बंगाल से टकराकर गुजरा दाना, रंग लाई सरकार की कोशिशें, जीरो कैजुअल्टी मिशन सफल

ओड़िशा,25 अक्टूबर [एजेंसी]।

चक्रवात दाना ओडिशा के तट से टकरा गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, चक्रवाती तूफान दाना के लैंडफाल की प्रक्रिया गुरुवार रात को शुरू होकार शुक्रवार सुबह तक जारी रहने की उम्मीद है। शुक्रवार सुबह तक लैंडफाल की प्रक्रिया करीब चार से पांच घंटे तक चलेगी। उस वक्त हवा की रफ्तार लगभग 120 किमी प्रति घंटे रहने की आशंका है। ऊंची लहरों के चलते तटीय इलाकों में दो-तीन किलोमीटर अंदर तक पानी आ सकता है। अगले 24 घंटे अतिरिक्त सुरक्षा बरतने की सलाह दी गई है। ऐसे में विभिन्न समुद्री तटों पर एहतियात के तौर पर धारा 144 लगा दी गई है। इसके अलावा, पारादीप से इरसामा सियाली तक समुद्र तट पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं।

चक्रवाती तूफान दाना ने ओडिशा के बालेश्वर जिले में व्यापक नुकसान किया। कई पेड़ गिर गए और सड़कें ब्लॉक हो गईं। जिला प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और सड़कों से गिरे हुए पेड़ों को हटाने के लिए काम शुरू कर दिया, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से जल्द ही स्थिति नियंत्रण में आ गई। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य ने अपना जीरो कैजुअल्टी मिशन हासिल कर लिया है क्योंकि गुरुवार रात तट पर आए भीषण चक्रवाती तूफान दाना में किसी भी मानव जीवन के नुकसान या घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने शुक्रवार को प्रभावित जिलों के जिला कलेक्टरों को जल्द से जल्द नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भीषण चक्रवात दाना से उत्पन्न आपातकालीन स्थिति से निपटने एवं जीरो कैजुएल्टी के लक्ष्य को सुनिश्चित करने में हम सफल रहे हैं। चक्रवात दाना के प्रभाव के कारण आज प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश को लेकर

रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे सुबह से ही विभिन्न जगहों पर वर्षा हो रही है। राज्य के नौ जिलों में आज के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इनमें अनुगुल, केंद्रापड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, खुर्दा, जाजपुर, भद्रक, ढेंकानाल और पुरी शामिल हैं। जबकि केंदुझर, मयूरभंज, बालेश्वर, बौद्ध, सोनपुर और नयागढ़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। चक्रवात दाना के प्रभाव को देखते हुए भुवनेश्वर बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बंद की गई हवाई सेवा को आज सुबह 8 बजे से बहाल कर दिया गया है। चक्रवात के कारण गुरुवार से 40 विमान सेवा को रद्द कर दिया गया था। भुवनेश्वर एयरपोर्ट अथारिटी की तरफ से यह जानकारी दी गई है।

आज सुबह 8.00 बजे से बालेश्वर के शहरी इलाकों में मूसलधार बारिश शुरू हो गई है। पूरी रात शहरी इलाकों में बारिश नहीं हुई थी लेकिन समुद्री तूफान के समाप्ति के कगार पर पहुंच जाने पर शहरी इलाकों में मूसलधार बारिश का सिलसिला जारी है। सामुद्रिक तूफान के कारण बालेश्वर के कई स्थानों पर बिजली के खंभे भी टूट के गिरे हैं बालेश्वर जिला के अंतर्गत नीलगिरी नामक स्थान पर सड़क के बीचो-बीच गिरे विशालकाय वृक्ष । चक्रवात दाना के प्रभाव से उच्च ज्वार की लहरें पूर्वी मेदिनीपुर, पुराने दीघा समुद्र तट से टकराईं। ओडिशा के बालेश्वर जिला के अंतर्गत सोरो, पनपना नामक आऊपदा तथा कांटा बढ़िया नामक स्थान पर सड़क के बीचो-बीच विशाल वृक्ष गिर गए हैं। तेज हवा और मूसलधार बारिश को बर्दाश्त ना कर पाने के कारण यह विशालकाय वृक्ष सड़क के बीचो-बीच गिर पड़े हैं। इस सामुद्रिक तूफान ने बालेश्वर के तटवर्ती इलाकों में पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचाया है। चक्रवात दाना के प्रभाव से बिहार के 18 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है।

मौसम विज्ञान केन्द्र पटना के अनुसार, चक्रवात मध्य बंगाल की खाड़ी से तटवर्ती इलाकों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। जिसका व्यापक प्रभाव नवादा जिले में भी देखने को मिलेगा। इस दौरान मेघगर्जन और वज्रपात की आशंका जतायी गई है। साथ ही 110 से 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ओर से दाना चक्रवात को लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। विभाग ने 0651-2490014 और 9431135682 नंबर जारी किया है। इस नंबर पर उपभोक्ता बिजली कट, तार टूटने, ट्रांसफार्मर उड़ने, फ्यूज उड़ने आदि से संबंधित जानकारी दे सकेंगे।

बालू कारोबारी सुभाष यादव को पटना हाईकोर्ट से झटका, नहीं लड़ सकेगा झारखंड विधानसभा चुनाव

पटना, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

पटना हाई कोर्ट ने जेल में बंद बालू कारोबारी सुभाष प्रसाद यादव को कोडरमा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए दिए गए 22 अक्टूबर को पारित आदेश को वापस ले लिया।

न्यायाधीश अरविंद सिंह चंदेल की एकलपीठ ने गुरुवार को सुभाष प्रसाद यादव की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए हैरानी जताई कि ईडी को बगैर पक्षकार बनाए ही याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि दिनांक 22.10.2024 का आदेश आवश्यक पक्ष अर्थात ईडी को सुने बिना पारित किया गया है, इसलिए आदेश वापस लिया जाता है। उल्लेखनीय है कि सुभाष कोडरमा में राजद के घोषित प्रत्याशी हैं। कोर्ट ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश की अनुमति से किसी अन्य कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 22 अक्टूबर को कोर्ट ने याचिकाकर्ता को कोडरमा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पेश करने का आदेश पुलिस प्रशासन को दिया था। साथ ही बेउर आदर्श जेल से निर्वाची अधिकारी के पास ले जाने और वापस लाने में हुई पूरा खर्च आवेदक से वसूलने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने कोर्ट में अर्जी दायर कर इस आदेश में बदलाव के लिए गुहार की थी।

एम्स रायपुर के द्वितीय दीक्षांत समारोह में पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

रायपुर। एम्स रायपुर के द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पहुंची है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,रायपुर के 10 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल और 514 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। इसके पश्चात वे वहां से दोपहर एक बजे राजभवन रायपुर आएंगी। राष्ट्रपति मुर्मु राजभवन से अपरान्ह 3.20 बजे एनआईटी रायपुर जाएंगी और साढ़े 3 बजे से साढ़े 4 बजे तक एनआईटी के 14वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

इसके पश्चात वे वहां से पुरखौती मुक्तांगन जाएंगी तथा संध्या 5.15 बजे से शाम साढ़े 6 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना के तहत 9वीं किश्त की राशि रिमोट का बटन दबाकर जारी करेंगी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रतिमाह 1000 रूपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। राष्ट्रपति मुर्मु पुरखौती मुक्तांगन में सरगुजा प्रखण्ड का लोकार्पण तथा आदिवासी समुदाय के लोगों से मुलाकात एवं चर्चा करेंगी। इसके पश्चात वे संध्या 7.05 बजे राजभवन आएंगी। राजभवन में निर्धारित कार्यक्रम के लिए 7.30 बजे तक का उनका समय आरक्षित रहेगा। राष्ट्रपति मुर्मु राजभवन में राज्यपाल रमेन डेका द्वारा आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगी और राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का रायपुर में आत्मीय स्वागत

रायपुर 25 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय प्रवास पर आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंची। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर उनका आत्मीय स्वागत किया।

डोनाल्ड ट्रंप खतरा हैं, 23 नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों ने लिखा पत्र

कमला हैरिस की जमकर तारीफ की

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 23 नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्रियों का साथ मिला है। इन अर्थशास्त्रियों ने 228 शब्दों का एक पत्र कमला हैरिस के नाम लिखा। अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था पर कमला हैरिस की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस की नीतियां बेहद बेहतर हैं। इससे पहले जून महीने में 15 नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्रियों ने राष्ट्रपति जो बाइडन की तारीफ की थी। कमला हैरिस की तारीफ करने वाले अर्थशास्त्रियों में इस साल के नोबेल पुरस्कार विजेता मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साइमन जॉनसन और डेरॉन ऐसमोग्लू भी शामिल हैं। पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव है। उससे पहले कमला हैरिस को इन नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्रियों का साथ मिला है। अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर हैरिस अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप से पीछे हैं।सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अर्थशास्त्रियों ने पत्र में लिखा कि हम में से सभी के आर्थिक नीतियों पर विचार अलग-अलग हैं। मगर हमारा यह भी मानना है कि कमला हैरिस का आर्थिक एजेंडा ट्रंप के मुकाबले अधिक बेहतर है।

एलएसी पर सामान्य हो रहे हालात, चीन ने उखाड़े अपने तंबू, पीछे हटीं दोनों देशों की सेनाएं

पूर्वी लद्दाख, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध को समाप्त करने के लिए भारत और चीन के बीच समझौते के कुछ दिनों बाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसकी जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। क्षेत्र में दोनों ओर से एक-एक तंबू तथा कुछ अस्थायी संरचनाओं को हटा दिया गया है, तथा भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी किनारे की ओर वापस लौट रहे हैं, जबकि चीनी सैनिक नाला के पूर्वी किनारे की ओर पीछे हट रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों तरफ लगभग 10-12 अस्थायी ढांचे और 12 टेंट हैं, जिन्हें हटाया जाएगा।चीनी सेना ने इलाके में अपने वाहनों की संख्या भी कम कर दी और भारतीय सेना ने भी कुछ सैनिकों को वापस बुला लिया। सूत्रों ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले 4-5 दिनों में देपसांग और डेमचोक में गश्त फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

भारत ने 21 अक्टूबर को घोषणा की थी कि वह चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने के समझौते पर पहुंच गया है, जिससे चार साल से अधिक समय से चल रहे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता मिली है। मई 2020 में गलवान घाटी में सैनिकों के बीच हिंसक टकराव के बाद गतिरोध शुरू हुआ था।

आर्मी मैन पिता की लाइसेंसी राइफल से बेटे ने खुद को मारी गोली, मची खलबली

देवरिया। मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहरा में शुक्रवार की सुबह युवक ने बंद कमरे में पिता के लाइसेंसी असलहे से स्वयं को गोली मार ली। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मौके पर पहुंची पुलिस ने असलहा को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी है। स्वजन के मुताबिक, सेना के जवान पंकज उर्फ पंचम सिंह का छोटा पुत्र 22 वर्षीय आयुष उर्फ छोटू सुबह कमरे में गया। थोड़ी देर बाद कमरे से गोली चलने की आवाज सुन स्वजन भाग कर कमरे तक पहुंचे तो कमरा अंदर से बंद था। किसी तरह कमरा खोल कर देखा गया तो आयुष रक्तरंजित पड़ा था। बताया रहा है कि जम्मू कश्मीर में तैनात सेना के जवान पिता के घर पर रखे लाइसेंसी राइफल से घटना घटित हुई है। जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटना की जानकारी होते ही दरवाजे पर लोगों की भीड़ जुट गई।

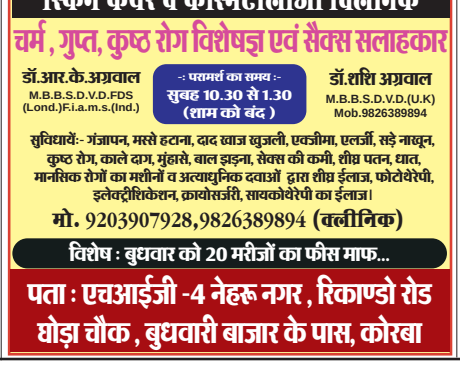

आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पारदर्शीता के साथ शीघ्रता से करें पूर्ण: कलेक्टर

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज सभाकक्ष में महिला व बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती, मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार वितरण, पोषण पुनर्वास केंद्र में बेड ऑक्यूपेंसी, सखी, बाल कल्याण समिति सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन तैयार करने के लिए डीएमएफ से गैस सिलेंडर व रिफलिंग की व्यवस्था की गई है। आगामी दिनों में सभी केंद्रों में सिलेंडर उपलब्ध हो जाएगी। आगामी समय में सभी केंद्रों में गैस से ही भोजन तैयार करना सुनिश्चित करें। परिवहन या किसी अन्य कारण से केंद्रों में जलवान के लिए लकड़ी का उपयोग नही होना चाहिए, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। इस हेतु सभी सीडीपीओ अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसी के साथ बैठक कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं गैस सिलेंडर परिवहन के लिए क्लस्टर या सेक्टर स्तर पर व्यवस्था करें। साथ ही सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की गैस सिलेंडर उपयोग की सेक्टर स्तर प्रशिक्षण प्रदान करना सुनिश्चित करें। जिससे उन्हें गैस उपयोग करने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो।

कलेक्टर ने जिले के आंगनबाड़ी व मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता व सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए भर्ती को पूर्ण पारदर्शिता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में प्राप्त दावा आपत्तियों का यथाशीघ्र निराकरण करने निर्देशित किया। पोषण ट्रेकर एप्प में एंट्री कार्य की जानकारी लेते हुए उन्होंने पोर्टल में वास्तविक एंट्री करने की बात कही।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों को कुपोषण चक्र से बाहर निकालने हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इस हेतु ऐसे बच्चों के घर घर जाकर माताओं को जागरूक करने के लिए कहा। साथ ही बच्चों को प्रदान किए जाने वाले अतिरिक्त पौष्टिक आहार को समय पर वितरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों के परिजनों को एक बार में एक-एक सप्ताह का पोषण आहार प्रदान किया जाए एवं बच्चों को दी जाने वाली दवाइयों को आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता के निगरानी में खिलाने की बात कही। उन्होंने सीडीपीओ व सुपरवाइजर को इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने किशोरी बालिकाओ, गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं को भी केंद्र के माध्यम से प्राथमिकता से लाभ पहुचाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र में बेड ऑक्यूपेंसी की स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र में बेड ऑक्यूपेंसी शत प्रतिशत रखने के लिए कहा एवं अधिकारियों को नियमित तौर पर एनआरसी की विजिट कर जानकारी लेते रहने की बात कही।

उन्होंने बाल संदर्भ शिविर के माध्यम से बच्चों का स्वास्थ्य जांच एवं उन्हें दवाइयां प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार कलेक्टर ने जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत की जा रही गतिविधि, बाल विवाह के रोकथाम के सम्बंध में की गई कार्यवाही, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति, बाल गृह, बालिका गृह, खुला आश्रय गृह सहित अन्य विभागीग योजनाओं की जानकारी ली।

उन्होंने कार्यक्रम अधिकारी को समय समय पर इन संस्थाओं का निरीक्षण करने एवं नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती रेणू प्रकाश, सीडीपीओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ ''शासकीय भूमि में नहीं है अतिक्रमण'' का जुड़ेगा बिंदु

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि किसी निजी संस्था/व्यक्तियों द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए (पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, उद्योग स्थापना आदि) अनापत्ति प्रमाण पत्र अथवा अभिमत प्रदान किया जाता है तो उक्त अनापत्ति प्रमाण एवं अभिमत में एक बिंदु यह भी अंकित किया जाए कि संबंधित निजी संस्था/व्यक्ति द्वारा किसी शासकीय भूमि में अतिक्रमण नहीं किया गया। कलेक्टर ने उक्त बिंदु को शामिल कर संबंधित संस्था को अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं अभिमत प्रदान किए जाने हेतु निर्देशत किया है। उल्लेखनीय है कि कोरबा जिले में कलेक्टर को जनचौपाल सहित अन्य कार्यक्रमों में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त होती रहती है। इस दिशा में कलेक्टर द्वारा समय सीमा, राजस्व विभाग की बैठक सहित अन्य अवसरों पर एसडीएम और तहसीलदारों को शासकीय भूमि में अतिक्रमण रोकने तथा कार्यवाही करने के निर्देश दिए जाते हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर ने शासकीय भूमि में अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से विभिन्न प्रयोजनों के लिए मांगे जाने वाले अनापत्ति प्रमाण पत्र अथवा अभिमत प्रदान करने के दौरान संबंधित संस्था/व्यक्ति द्वारा किसी शासकीय भूमि में अतिक्रमण नहीं किए जाने का बिंदु जोड़ने के निर्देश दिए हैं।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन कोथारी में

कोरबा । शासन के निर्देशों के तहत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन जिले के दूरस्थ अंचलों में किया जा रहा है। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर को करतला विकासखण्ड के ग्राम कोथारी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को समय पर शिविर में उपस्थिति दर्ज कराने और प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कोथारी सहित आसपास के ग्रामीणों को शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

आवास मेले में उपमुख्यमंत्री साव ने 404 हितग्राहियों को बांटे वनाधिकार पत्र

कोरबा । टीपी नगर के राजीव गांधी आडिटोरियम में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास मेला समारोह में कल मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरूण साव, प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई की उपस्थिति में हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र का वितरण किया गया। जिसमें विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय अंतर्गत पहाड़ी कोरवा को 67, बिरहोर को 36 तथा अनुसूचित जनजाति के 303 हितग्राहियों सहित कुल 404 हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री साव ने कहा कि वनांचल क्षेत्रों में कई दशकों से जीवन यापन कर रहे परिवारों को वनाधिकार पत्र प्राप्त होने पर उन्हें बेदखली के भय से मुक्ति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन के निर्देशन में कोरबा जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य वाले इलाकों में प्रधानमंत्री जनमन अंतर्गत शिविर लगाए गए। शिविर के माध्यम से पहाड़ी कोरवाओं तथा बिरहोर जनजाति समाज के लोगों को जागरूक करने के साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ उठाने प्रेरित किया गया। शिविर के माध्यम से पीवीटीजी के पात्र हितग्राहियों का वनाधिकार पत्र, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता खोलने एवं प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन प्राप्त कर लाभान्वित किया जा रहा है। कोरबा जिले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के परिवारों, अनुसूचित जनजाति सहित अन्य हितग्राहियों को वनाधिकार अधिनियम 2006 यथा संशोधित नियम 2012 अंतर्गत वनाधिकार पत्र वितरित किए जा रहे हैं। जिले में 56,711 वनाधिकार पत्रों का वितरण किया गया है।

निर्वाचक नामावली तैयार करने निर्देश

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 के लिए फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षित करने हेतु दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अंतर्गत आयोग के निर्देशानुसार दो चरणों में कार्यक्रम एवं तिथियां निर्धारित की गयी है। प्रथम चरण में 18 सितंबर 2024 से रजिस्ट्रीकरण / सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति से प्रारंभ होकर 14 अक्टूबर 2024 को जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा निर्वाचन नामावली का मुद्रण कराना एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराना निर्धारित है। इसी प्रकार द्वितीय चरण में 24 अक्टूबर 2024 को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन एवं दावा-आपत्तियां प्राप्त कर 29 नवंबर 2024 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाना हैं। इस दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत में 26 एवं 27 अक्टूबर 2024 को ग्राम सभा का आयोजित होगी जहां निर्वाचक नामावली का वाचन कर इसकी शुद्धता की गहन जांच/परीक्षण किया जाएगा।

खेल भावना से मिलती है सफलता और आगे बढ़ने की प्रेरणा : समापन समारोह में मंत्री ने कहा

कोरबा । सीएसईबी पूर्व खेल मैदान में आयोजित चार दिवसीय 24वीं शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आज समापन हो गया। प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग ने प्रथम स्थान और सरगुजा ने द्वितीय और बस्तर संभाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री लखन लाल देवांगन उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विजेता टीम के खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पाली तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम, सभापति नगर पालिक निगम श्री श्याम सुंदर सोनी, नेता प्रतिपक्ष श्री हितानंद अग्रवाल आदि शामिल हुए। मुख्य अतिथि श्री देवांगन ने समापन समारोह में शामिल होकर प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रदेश के सभी संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है। खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। खेल भावना से खिलाड़ियों को सफलता और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

समापन समारोह में मंत्री श्री देवांगन ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों तथा कोच, मैनेजरों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता के लिए कोरबा जिले को मेजबानी मिलना गौरव का विषय है। सभी खिलाड़ियों ने कोरबा के मैदान में बेहतर प्रदर्शन किया है। उनका यह प्रदर्शन बेकार नहीं जाएगा, किसी न किसी रूप में उनकी मेहनत काम आएगी। अभ्यास से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और एक न एक दिन आपकी मेहनत आपको ऊंचे मुकाम पर ले जाएगी। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल पाएंगे। खिलाड़ी भारत के भविष्य भी हैं और खेल में हुए मानसिक तथा शारीरिक विकास का लाभ उन्हें पुलिस तथा सैन्य सेवा में मिलेगा। उन्होंने शासन द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर दिए जाने की बात कहते हुए शासन की

योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

विधायक पाली तानाखार श्री मरकाम ने समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि खेलों का हमारे जीवन मे विशिष्ट महत्व है। खेल से शारीरिक मानसिक विकास होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए अर्जुन की तरह अभ्यास करने एवं राष्ट्र के विकास में सभी को आगे बढ़कर सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया।

समारोह के सभापति श्री सोनी, नेता प्रतिपक्ष श्री अग्रवाल ने भी संबोधित किया और खिलाड़ियों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी। समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया।

चार दिवसीय 24वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 19 वर्षीय बालक बालिका क्रिकेट टूर्नामेंट अंतर्गत बालक वर्ग में प्रथम स्थान बिलासपुर संभाग, द्वितीय स्थान सरगुजा व तृतीय स्थान बस्तर संभाग ने हासिल किया। इसी प्रकार बालिका वर्ग में प्रथम स्थान बिलासपुर, द्वितीय दुर्ग एवं सरगुजा ने तृतीय स्थान अर्जित किया।

नेटबॉल प्रतियोगिता में 14 वर्षीय बालक वर्ग में बिलासपुर ने पहला, रायपुर ने दूसरा, दुर्ग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका 14 वर्ष में रायपुर ने पहला, बिलासपुर ने दूसरा , सरगुजा ने तीसरा स्थान बनाया। 17 वर्षीय बालक वर्ग में रायपुर पहला, बिलासपुर दूसरा, दुर्ग तीसरा, बालिका 17 वर्षीय वर्ग में पहला रायपुर, दूसरा बिलासपुर, तीसरा दुर्ग, 19 वर्षीय बालक वर्ग में बिलासपुर पहला, रायपुर दूसरा, दुर्ग तीसरा, बालिका 19 वर्षीय में रायपुर पहला, बिलासपुर दूसरा, दुर्ग तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग ने कुल 32 अंक अर्जित कर सर्वश्रेष्ठ विजेता का खिताब प्राप्त किया।

छग कोल आदिवासी समाज सेवा संघ की बैठक में कार्यक्रमों और योजनाओं पर हुई चर्चा

कोरबा। छत्तीसगढ़ कोल आदिवासी समाज सेवा संघ के प्रांताध्यक्ष युगुल किशोर शांडिल्य ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की।

उक्त बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों और योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत में सोसायटी पंजीयन अधिनियम की धारा-27 के तहत निर्वाचन से संबंधित प्रतिवेदन एवं दस्तावेज, संगठन के झंडे का स्वरूप तय किया गया और नव निर्वाचित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए। इस अवसर पर प्रांताध्यक्ष युगुल किशोर शांडिल्य ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी। समाज में अशिक्षा और बेरोजगारी के मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना आवश्यक है। आप सबको समाज के हित के लिए, उनके विकास के लिए और समाज में छाई कुरीतियों को दूर करने के लिए चुना गया है। इसके अलावा बैठक में संगठन के संरक्षक ने भी संगठन को मजबूत बनाने हेतु जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन के सदस्यों को समाज के हित में काम करने के लिए एकजुट होना होगा।

बैठक में नव निर्वाचित पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष दिनेश कोल, रविन्द्र कौल, राम प्यारे वर्मा, सचिव अशोक कुमार रौतिया, सह-सचिव राम प्रसाद कोल, समय लाल कोल, कोषाध्यक्ष मनमोहन सिंह, प्रवक्ता दुर्गा प्रसाद रउतिया, कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार कोल, राजेन्द्र कुमार, द्वारिका प्रसाद कोल, शिव शंकर, दीपक कुमार कोल, छबिले प्रसाद ठकुरिया, सुदीम कुमार, जीवन लाल रौतेल, राजू कोल, दीपक कुमार, नेम लाल गौटिया सहित अन्य शामिल थे।

दो माह से वेतन नही मिला तो कर्मचारी ने खा लिया जहर ,अस्पताल दाखिल उपचार जारी

कोरबा। कोरबा जिलान्तर्गत दो माह से वेतन न मिलने का आरोप लगा एक केबल कर्मी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जानकारी के अनुसार परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों के अथक प्रयास से अब वह खतरे से बाहर बताया जा रहा हैं। उक्त केबल कर्मी ने एक निजी केबल ऑपरेटर पर आरोप लगाया है कि उसने दो माह का वेतन नहीं दिया है, जिसके कारण उसके परिवार के सामने भूखे मरने की स्थिति निर्मित हो गई है। मेडिकल कॉलेज कोरबा में भर्ती युवक का कहना है कि वह घंटाघर कोरबा में स्थापित एक केबल नेटवर्क में काम करता है, उसे प्रतिमाह 8000 रुपये देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन पिछले दो माह से उसे वेतन नहीं दिया गया। इसके कारण उसके परिवार के सामने रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। बच्चों का भूख से बिलखना और पत्नी के ताने से परेशान होकर उसने जहर खा लिया। मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने रविंद्र का बयान लेकर कथित एक निजी केबल ऑपरेटर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सूचना सिविल लाइन पुलिस को दे दी हैं।जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिले मेमो के आधार पर युवक का बयान दर्ज किया गया है। उसने बताया कि घंटाघर स्थित एक लोकल टीवी नेटवर्क में काम करता है और उसे पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। दीपावली सीजन होने के कारण वो वेतन की मांग कर रहा था। नहीं मिलने पर वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था। इसके बाद वह घर पहुंचा और वेतन को लेकर पत्नी से विवाद हुआ और उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान देने कोशिश की।

माजदा ने और ट्रेलर की हुई टक्कर में चालक गंभीर घायल अवस्था में अस्पताल दाखिल

कोरबा । कोरबा जिले में हादसों का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहाँ लगातार हादसे हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार बिलासपुर-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाली क्षेत्र कोसाबाड़ी मोड़ के पास भी भीषण हादसा हुआ। स्वराज माजदा के चालक ने ट्रेलर को पीछे से टक्कर मार दी। उक्त घटना में माजदा के सामने का हिस्सा पिचक गया। माजदा का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पाली के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से हायर सेंटर रेफर किया गया। बताया जाता है कि बिलासपुर की ओर स्वराज माजदा लेकर चालक जा रहा था।

ग्रामीणों को दी गई नि:शुल्क प्रशिक्षण की जानकारी

कोरब। जिला कौशल विकास प्राधिकरण जिला कोरबा द्वारा आयोजित कौशल पखवाड़ा के तहत जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के क्लस्टर भवन में राष्ट्रीय आजीविका मिशन के कैडर, दीदी पीआरपी और ग्रामीणों को जिले में संचालित विभिन्न कौशल योजनाओं के नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण के विषय में जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत संचालित लाईवलीहुड कॉलेज,आई.टी.आई. परिसर, कोरबा में विभिन्न कौशल योजनाओं का नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी दी गई. इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा लाईवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य, बीपीएम, एनआरएलएम और अनिल एबीपीफ उपस्थित थे।

पुलिस ने गुम हुए 06 इंसान को खोज निकाला दस्तयाब

माह अक्टूबर में अब तक कुल 55 गुम इंसान को किया जा चुका है बरामद

कोरबा। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि गुम इंसान की दस्तयाबी के लिये तत्काल कार्यवाही करे।

पुलिस अधीक्षक से प्राप्त निर्देशों के पालन हेतु 23 अक्टूबर को कुल 06 गुम इंसान को दस्तयाब किया गया। जिसके अंतर्गत थाना उरगा से 2 नाबालिग बच्चे, थाना कटघोरा, चौकी सीएसईबी, थाना कोतवाली और थाना रामपुर से 01-01 गुम इंसान/बालिका को दस्तयाब किया गया।नाबालिको के गुम होने के मामले को अति संवेदनशील और गंभीर मामला माना जाता है, अत: प्रत्येक मामले में नाबालिक का अपहरण होने की दृष्टिकोण से देखा जाकर तत्काल अपहरण के धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत एफआईआर दर्ज किया जाता है। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक मामले में विशेष टीम का गठन कर बरामदगी हेतु तत्काल प्रयास किया जाता है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य की मदद से गुम इंसान को बरामद करने का प्रयास करती है। इसी के अंतर्गत इस माह अक्टूबर अभी तक कुल 55 गुम इंसान को बरामद करने में सफलता मिली है जिसमे 15 पुरुष, 23 महिला, 04 बालक एवं 13 बालिकाएं हैं।

रात्रि में ट्रेलर चालको से लूटपाट करने वालें आरोपी को पुलिस किया गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा जिलान्तर्गत प्रार्थी अनिल कुमार साव पिता मुखलाल साव उम्र 20 वर्ष ग्राम बिलयतीखर पोस्ट रानीचरी थाना चिनिया जिला गढवा झारखंड का चौकी उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दीपका खदान से ट्रक में कोयला लोड कर डी.बी. पावर प्लांट रायगढ में खाली कर वापस दीपका जा रहा था। रास्ते में रामनगर बाईपास में रात्रि होने के कारण ट्रक को खडी कर ट्रक के अंदर सो रहा था। वहां पर इसके अन्य साथी लोग भी अपने अपने ट्रक को खडी कर सो रहे थे कि 24 अक्टूबर को रात्रि करीब 01.20 बजे तीन अज्ञात लोग एक मोटर सायकल डीलक्स में सवार होकर आये और ट्रेलर का दरवाजा खोलकर ट्रक के अंदर तीनो व्यक्ति घुस गये तब यह जाग गया तो एक व्यक्ति इसका मुंह दबा कर हल्ला करने पर जान से मारने का डर दिखाकर मोबाईल फोन को लूट लिये और एक व्यक्ति इसका जेब से 1000 रूपये (500 रूपये का दो नोट) को निकाल लिया, वह मौका पाकर हल्ला करने लगा तो अन्य ट्रक के ड्रायवर आये तो दो लोग रात के अंधेरा का लाभ उठाकर भाग गये और लूट करने के लिए उपयोग मोटर सायकल व एक लड़का को पकड़ा। प्रार्थी के रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यु.बी.एस. चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का को अवगत कराया जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर विवेचना कार्यवाही आरंभ किया गया। दौरान विवेचना एवं संकलित साक्ष्य के आधार पर पाया गया कि मोटर सायकल को जिला अस्पताल कोरबा अपने दो अन्य साथियों के साथ चोरी करना उसके बाद 24 अक्टूबर के रात्रि में रामनगर बाई पास रोड मे ट्रेलर चालक से लूट करना सबूत पाये गया।

विवेचना क्रम में कथित आरोपी के कब्जे से मोबाईल फोन व मोटर सायकल को जप्त कर विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक एम.बी. पटेल थाना प्रभारी कोतवाली के कुशल मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नवीन पटेल के नेतृत्व में, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र राय, आरक्षक संजय सिंह, दिलेश बंजारे, रोहित राठौर एवं अन्य स्टाफ का सहयोग रहा।

मछली पालन, मत्स्याखेट एवं मछली बेचने के व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों को कराना होगा एन.एफ.डी.पी. पोर्टल पर पंजीयन

कोरबा । केन्द्र शासन द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि राह योजना के तहत विभिन्न घटकों का लाभ प्राप्त करने के लिए एन.एफ.डी.पी. पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। एन.एफ.डी.पी. पंजीयन का मुख्य उद्देश्य सभी मत्स्य पालक /मत्स्य पालन समूहों एवं मत्स्य समितियों के लिए कार्य आधारित पहचान के डेटाबेस निर्माण के माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन को औपचारिक रूप देना है। भविष्य में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत् मत्स्य पालन अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं के लाभ प्राप्त करने हेतु एन.एफ. डी. पी. पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। उक्त कार्य अंतर्गत मछली पालन/मत्स्याखेट एवं मछली बेचने के व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों का पंजीयन कॉमन सर्विस सेन्टर (च्वाईस सेन्टर) के माध्यम से किया जाना है। यदि परिवार के सभी सदस्य मछली पालन कार्य में संलग्न है तो सभी का पंजीयन व्यक्तिगत रूप से किया जावेगा। पंजीयन के पश्चात मत्स्य विभाग से सत्यापन पश्चात उनके बैंक खाते में 80/- रुपये शासन की ओर से प्राप्त होंगे तथा कॉमन सर्विस सेंटर (च्वाईस सेंटर) को प्राप्त होगा। पंजीयन हेतु मत्स्य कृषकों उनके प्रत्येक एन्ट्री पर 18/- रुपये कमीशन के रूप को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, तथा आधार लिंक मोबाइल नंबर के साथ कॉमन सर्विस सेंटर (च्वाईस सेंटर) में एंट्री कार्य कराया जाना है।

पंजीयन हेतु आधार लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओ.टी.पी. अनिवार्य होगा। पंजीयन पश्चात प्रारंभ में अस्थायी प्रमाण पत्र प्राप्त होगा तथा कृषकों का मत्स्य विभाग सत्यापन पश्चात स्थायी प्रमाण पत्र जारी किया जावेगा। कोरबा जिले में पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा कॉमन सर्विस सेंटर (च्वाईस सेंटर) द्वारा 151 मत्स्य कृषकों का पंजीयन किया जा चुका है। कोरबा जिले के सहायक संचालक मछली पालन द्वारा सभी मत्स्य कृषकों को अधिक से अधिक पंजीयन कराने की अपील की गई है। अधिक जानकारी के लिए 9424221201 में संपर्क किया जा सकता है।

राखड़ डंप से परेशानी बढ़ी

कोरबा । कोरबा-पश्चिम के कुसमुंडा क्षेत्र में राखड़ डंप किया जा रहा है। बताया जा रहा गहन की उक्त जमीन का अधिग्रहण एनटीपीसी प्रबंधन ने रेल लाइन बिछाने के लिए किया था। अब प्रबंधन खाली पड़ी जमीन पर राखड़ डंप कर रहा है। इससे हवा चलने पर आसपास के क्षेत्रों में परेशानी बढ़ जाएगी। क्षेत्र के पार्षद भी नाराज हैं और उन्होंने इस मामले की जानकारी क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को दे कार्यवाही करने मांग की हैं।जानकारी के अनुसार जिले के लोगों को राख की समस्या से छुटकारा नहीं मिल रहा है। प्रशासन की सख्ती के बावजूद निजी कंपनियों की मनमानी जारी है। अब कुसमुंडा क्षेत्र में कुचैना मोड़ से थोड़ी दूर दीपका रोड में रेल क्रासिंग के पास खाली जमीन के करीब राख डंप करने का मामला सामने आया है।

बुची हरदी में जुआ खेलते 6 जुआड़ी गिरफ्तार

चांपा। विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन मे जिले में जुआ सट्टा पर अंकुश लगाने के लिए जांजगीर पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है कि इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में दिनांक 23.10.2024 को थाना बलौदा पुलिस को मुखबीर की सूचना मिला कि थाना बलौदा क्षेत्र के ग्राम बुची हरदी में कुछ जुआडियान रूपये पैसे का दाव लगाकर तास पत्ती से हार जीत का काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सूचना पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया जो मौके पर आरोपीयान(1) शिव कुमार भारद्वाज उम्र 36 वर्ष ग्राम पचरी थाना अकलतरा (2) राहुल दिवाकर उम्र 21 वर्ष ग्राम बालपुर थाना चांपा (3) विजय कुमार उम्र 42 वर्ष ग्राम बुचीहरदी (4) पलटन रात्रे उम्र 35 वर्ष ग्राम बुचीहरदी (5) रामानुज सुमन उम्र 32 वर्ष ग्राम बुचीहरदी (6) योगेश उर्फ पप्पु खुंटे उम्र 32 वर्ष ग्राम भिलाई थाना बलौदा को काट पत्ती नामक जुआ खेलते पकडा गया जिनके कब्जे से 15090/ रूपये नगदी, 52 पत्ती तास बरामद किया जाकर आरोपियों का कृत्य धारा 3 (2) छ. ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का घटित करना सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तारी कार्यवाही किया गया है।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक अशोक कुमार वैष्णव थाना प्रभारी बलौदा, प्र.आर. मुकेश यादव, प्र.आर. गजाधर पाटनवार, आर. श्याम राठौर, हेमंत साहू, लखेश विश्वकर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने लिया ट्रांजिट हॉस्टल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ का जायजा

जांजगीर चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा गुरुवार को जांजगीर में नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर निरीक्षण किया है। उन्होंने वहां सुविधाओं की विस्तार से जानकारी लेकर उचित रखरखाव के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने साफ-सफाई, बुनियादी ढांचे की स्थिति, और कर्मचारियों के रहने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सीजीएमएससी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि किसी प्रकार की कमी या सुधार की आवश्यकता हो, तो उसे तत्काल ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। पामगढ़ में निर्माणाधीन स्व. श्री बहोरिक लाल सूर्यवंशी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर आकाश छिकारा सहित पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की। श्री छिकारा ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि स्वास्थ्य केंद्र में सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता हो ताकि यहां के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके।

दिवाली के पहले बाजारों में पुष्य नक्षत्रों में हो रही खरीदारी

जांजगीर - चांपा। गुरू पुष्य नक्षत्र पर जिले के बाजार में रौनक रही। सरापु, कपड़ा, इलेक्ट्रानिक व बर्तन व्यापारियों ने अच्छी बिक्री की। एक अनुमान के मुताबिक विभिन्न व्यवसायों में लगभग 10 करोड़ का कारोबार जिले में हुआ। इलेक्ट्रानिक्स, आटो मोबाइल्स, बर्तन और सराफा की दुकानों में देर रात तक बिक्री हुई। पिछली बार जिले में लगभग 3 करोड़ का कारोबार हुआ था।

दिवाली के समय पुष्य नक्षत्र में काफी खरीदारी की जाती है। इस बार दिवाली के एक सप्ताह पहले पुष्य नक्षत्र पर अच्छा कारोबार हुआ। सराफा दुकानों में चहल-पहल दिखी। इसी तरह आटो मोबाईल्स व इलेक्ट्रानिक्स दुकानों में भी अच्छी ग्राहकी हुई। दिवाली के लिए बाजार पहले से ही सज गया है।

खरीददारी भी शुरू हो गई है। पुष्य नक्षत्र में अच्छा कारोबार हुआ। हालांकि लोगों ने परंपरा के मुताबिक सोना - चांदी और बर्तन खरीदने को प्राथमिकता दी। केवीसी इलेक्ट्रानिक्स के संचालक कमल अग्रवाल ने बताया कि एलईडी और फ्रीज तथा वाशिंग मशीन की अच्छी बिक्री हुई। विजय ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि पुष्य नक्षत्र में लोगों ने सोने व चांदी के आभूषण की खरीददारी की। उनके यहां सोने चांदी के सभी तरह के आभूषण हैं। हालमार्क के गहने भी

उपलब्ध हैं। लोगों ने सोने चांदी के जेवर व सिक्के की खरीददारी की।सोने के सिक्के व रेडिमेड ज्वेलरी की मांग रही। आटोमोबाइल सेक्टर में भी इस बार अच्छा कारोबार हुआ दो पहिया और चार पहिया वाहनों की अच्छी बिक्री हुई। इसी तरह ट्रैक्टर एजेन्सियों में भी किसानों ने ट्रैक्टर की खरीददारी की।

बोरदा चौक से अवैध कब्जे को हटाया प्रशासन ने

सक्ती। नगर के बोरदा चौक में हुए अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई राजस्व प्रशासन के द्वारा की गई। रायगढ़-चांपा और कोरबा जाने वाले इस मार्ग में काफी संख्या में दुकानें अवैध कब्जा कर बना ली गई थी जिसे हटाने की कार्रवाई प्रशासन द्वारा की गई। इस अवसर पर सक्ती पुलिस एवं यातायात विभाग द्वारा सहयोग किया गया।कंचनपुर से आगे बोरदा रोड में बने राष्ट्रीय राजमार्ग के के चौक के इर्द गिर्द काफी संख्या में ठेले, सब्जी, फल और होटल व्यावसायियों के द्वारा अवैध अस्थाई निर्माण कर लिया गया था। बढ़ती दुर्घटना को देखते हुए प्रशासन ने इसे संज्ञान में लिया और दो दिनों पूर्व कब्जाधारियों को हिदायत दी गई थी कि वे अपना कब्जा खाली कर दें अन्यथा प्रशासन का बुलडोजर चल सकता है।

कुछ लोगों के द्वारा हटा लिया गया था लेकिन कुछ लोगों के द्वारा नहीं हटाया गया था ऐसी दुकानों पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई है। राजस्व अधिकारियों के अनुसार यह एनएच है और ऐतिहातन यहां किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को पनपने नहीं दिया सकता। लगातार यहां अवैध कब्जा बढ़ रहा था जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

सक्ती जिले के यातायात प्रभारी कमल किशोर महतो ने भी अवैध कब्जाधारियों के संबंध में कहा कि हाइवे के किनारे कोई भी बेजाकब्जा न करें। अन्यथा उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत नरियरा के वार्डों का नियमानुसार करें परिसीमन

जांजगीर चांपा। नवगठित नगर पंचायत नरियरा में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नियमानुसार परिसीमन कराकर वार्डों में मतदाताओं की संख्या समरूप - किए जाने के लिए नगर वासियों के द्वारा एसडीएम विक्रांत अंचल को ज्ञापन सौंपा गया है।

नगर वासी देश कुमार बंजारे एवं किशन रात्रे ने बताया कि शासन के द्वारा ग्राम पंचायत नरियरा को नगर पंचायत बनाया गया है लेकिन यहां वार्डों का परीसीमन सही प्रकार से नहीं हुआ है, और न ही वार्डों में समरूप मतदाता हैं। नगर पंचायत नरियरा में 15 वार्ड हैं जहां वार्ड क्रमांक 7 में 305 मतदाता, वार्ड क्रमांक 3 में 336 एवं वार्ड क्रमांक 14 में 353 मतदाता है वहीं वार्ड क्रमांक 15 में 686 मतदाता, वार्ड क्रमांक 10 में 702 मतदाता एवं वार्ड क्रमांक 8 में 725 मतदाता हैं। इस प्रकार यहां के वार्डों में मतदाताओं की संख्या समरूप नहीं है जबकि नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 29(3) के अनुसार नगर के कुल मतदाताओं की जनसंख्या से बराबर बराबर की जनसंख्या प्रत्येक वार्ड में होनी चाहिए। वर्तमान में प्रत्येक वार्ड में मतदाताओं की जो सूची बनाई गई है उसमें ग्राम वासियों को आपत्ति है। नगरीय निकाय अधिनियमों के तहत नवगठित ग्राम पंचायत नरियरा के विभिन्न वार्डों में मतदाताओं की सूची समरूप बनाए जाने के लिए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में ओमकार रात्रे, नंदराम भारते, शिवा बंजारे, दिनेश निर्मलकर, हेमकरण साहू, बसंत गोंड़, बिहारी लाल पाटले एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में शामिल थे।

जनपद पंचायत पामगढ़ के ग्राम पंचायत खोखरी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की मांग एवं समस्याओं के समाधान तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं लाभ देने के लिए आज जनपद पंचायत पामगढ़ के ग्राम पंचायत खोखरी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्थानीय नागरिक सहित आस-पास गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में माँग एवं समस्याओं से संबधित कुल 359 आवदेन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों को समय सीमा में दर्ज कराया गया है। इस दौरान विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश, उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, कलेक्टर आकाश छिकारा सहित अतिथियों ने अवलोकन किया।

जन समस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरवंश ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से एक मंच में सभी विभागीय योजनाओं को जानकारी मिल रही है और आम जनता की समस्याओं का निराकरण हो रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन देकर निराकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हो रहे है उनका समय सीमा के भीतर निदान किया जाए। टीम वर्क से शासन की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से लोगो की समस्याओं का समाधान हो रहा है। पहले जिस समस्याओं को लेकर आवेदन करने जिला जाना पड़ता था वह शासन प्रशासन लोगो के घर तक पहुंच रहा है और नागरिक गण अपनी समस्याओं के निदान के साथ ही सरकारी सेवाओं का लाभ ले रहें है।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि शासन की योजनाएं आम नागरिक तक पहुंचे और उनका क्रियान्वयन शत प्रतिशत हो इसको लेकर जिले में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने शासन द्वारा चलाये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं व जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे नवाचार कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं के साथ साथ आप 5 लाख तक स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। इसी प्रकार पीएम सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना शासन द्वारा चलाई जा रही है जिसका अधिक से अधिक लाभ लें। जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन भी शासन-प्रशासन के सभी विभागों को एक जगह उपस्थित होकर आम लोगों की समस्या, जरूरत व मांगों का समाधान करने व जरूरतमंद व पात्र हितग्राहियों व जनहित के मुद्दे का निराकरण करने आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धान के अलावा दूसरी कृषि, उद्यानिकी की फसलों को भी जरूर लगाए। इसके अलावा पीएम आवास योजना के माध्यम से जिनको आवास मिला है। इसके अलावा महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, बिहान योजना के माध्यम से स्व सहायता समूह के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को हम सबको पूरा करना है।

शिविर में कृषि विभाग, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, आयुर्वेद विभाग आदि द्वारा जानकारी प्रदान की गई। शिविर में गोद भराई, बच्चों का अन्नप्राशन, मोटराईज्ड ट्राईसायकल, जाति प्रमाण पत्र का वितरण, मत्स्य पालन के लिए तालाब को लीज पर देने के पट्टे का वितरण भी किया। एक पेड़ मां के नाम पौधे का वितरण भी अतिथियों द्वारा किया गया। शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में हितग्राहियों को मुख्यमंच से योजनाओं से लाभांवित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को गुलाब सिंह चंदेल ने भी संबोधित किया।

आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में विभिन्न शैक्षणिक पदों पर संविदा भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में संचालित कुल 08 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में विभिन्न शैक्षणिक पदों पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों द्वारा त्यागपत्र दिये जाने एवं कार्यभार ग्रहण नहीं किये जाने के फलस्वरूप रिक्त बैकलॉग संविदा पदों की पूर्ति हेतु विभिन्न शैक्षणिक संविदा पदों पर इच्छुक आवेदकों से 06 नवम्बर 2024 रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट https://janjgir-champa.gov.in पर आवेदन आमंत्रित किया गया है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा। आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे अन्य किसी भी माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए जिले के वेबसाइट पोर्टल https://janjgir-champa.gov.in का अवलोकन कर सकते है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राहौद के छात्राओं ने देखा तारामंडल

जांजगीर-चांपा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राहौद में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और छात्रों को खगोल विज्ञान की अद्भुत दुनिया से परिचित कराने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों को ओ 2 तारामंडल दिखाया गया। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, सहायक कलेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने छात्र-छात्राओं के साथ तारामंडल देखा। कलेक्टर ने कहा कि तारामंडल कार्यक्रम आयोजन छात्रों के लिए बेहद रोमांचक और ज्ञानवर्धक है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को आकाश गंगा, ग्रहों, तारों और अंतरिक्ष में मौजूद अन्य खगोलीय पिंडों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें खगोल विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों और अंतरिक्ष में होने वाली घटनाओं के बारे में भी बताया गया। इस दौरान कलेक्टर ने स्कूल में रामानुजन गणित उद्यान का किया निरीक्षण किया। व्याख्याता चेतन प्रसाद साहू ने बताया कि उद्यान के माध्यम से गणित के विभिन्न सिद्धांतों और संकल्पनाओं को सरल और रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों और गणित प्रेमियों में इस विषय के प्रति रुचि जागृत हो सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उद्यान में रखे गए विभिन्न गणितीय मॉडलों, गतिविधियों और प्रदर्शनों की विस्तार जानकारी ली। इसके अलावा स्कूल की प्रयोगशाला, विद्यार्थियों से भी चर्चा करते हुए उसके सिलेबस के बारे में जानकारी ली।

समक्ष नोटरी महोदय कोरबा
आम ईश्तहार हेतु शपथपत्र

मैं रीतु साहू उम्र लगभग 35 वर्ष पति श्री शत्रुहन साहू जाति तेल (अन्य पिछड़ा वर्ग) वर्तमान निवासी वार्ड नं.11, लक्ष्मणबन तालाब, कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. की हूं, मेरा आधार कार्ड नंबर 3917 7764 5775 है, जो कि शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूं:-

यह कि मेरी पुत्री चांदनी साहू जिसका आधार कार्ड नंबर 8927 1012 9301 है, का जन्म दिनांक 01.03.2009 को मेरे निवास गृह लक्ष्मण बन तालाब कोरबा में हुआ है, तदानुसार उसकी वर्तमान उम्र लगभाग 15 वर्ष है। मेरी पुत्री कुमारी चांदनी के नाम से उसका जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है जिसका पंजीयन क्र. 242 पंजीयन दिनांक 12.03.2009 है, उक्त जन्म प्रमाणपत्र में मेरा पुत्री का पूरा नाम चांदनी साहू के स्थान पर उसका संक्षिप्त नाम कुमारी चांदनी दर्ज हो गया है, जबकि उसका पूरा नाम चांदनी साहू दर्ज होना चाहिए था। मेरा एवं मेरे पति के नाम से आधार कार्ड बना हुआ है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रीतू साहू एवं मेरे पति के आधार कार्ड में उनका नाम शत्रुहन साहू दर्ज है, इसलिए मैं नगर पालिक निगम कोरबा तहसील जिला कोरबा छ.ग. के जन्म-मृत्यु पंजीयन शाखा में अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज उसका नाम कुमारी चांदनी के स्थान पर चांदनी साहू संशोधन कर समाविष्ट करवाना चाहती हूं, इस हेतु यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
रीतू साहू
वार्ड नं.11, लक्ष्मणबन तालाब कोरबा

दीपावली पर पानी के दीयों की अधिक डिमांड

रायगढ़ । दिवाली को लेकर धीरे-धीरे बाजार सजने लगा है।

इस साल बाजार में कुछ नए आइटम नजर आ रहे हैं, जिसमें पानी से जलने वाले दीये लोगों को खूब लुभा रहा है। इस बार पटाखों के दाम में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

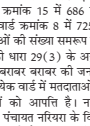

वहीं, पानी के दीये प्लास्टिक के आकार का है। इसमें एक लाइट लगी है। जब इसमें पानी डाला जाता है, तो लाइट जलने लगती है। इसके अलावा उरली दीये की भी डिमांड है। इस दीये के बीच में पानी डालकर उसके चारों ओर दीप जलाए जाते हैं।

उप जिला निवार्चन अधिकारी ने निर्वाचक नामावली कार्य का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा के निर्देशन में नगरीय निकाय आम निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली कार्य का उप जिला निवार्चन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला के वार्ड क्रमांक 9, 10, 11, 16, 17, 18, और वार्ड नंबर 19 के लिए नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारियों की उपस्थिति मे निर्धारित स्थलों स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर, गट्टानी स्कूल जांजगीर एवं बोन्गापारा स्थित केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने 16 अक्टूबर 2024 से आज दिनांक तक प्राप्त दावा आपत्ति के प्रारूप क, ख, ग में प्राप्त आवेदनों की जानकारी प्राधिकृत कर्मचारियों से ली एवं कार्यवाही करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री प्रशांत पटेल सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
सर्वमंगला नगर जोन

फा.क्र./832 से 835 / निर्माण (सर्वमंगला नगर जोन)/2024/ कोरबा, दिनांक 18.10.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 15.10.2024 को सायं 3.00 बजे तक स्पीड पोस्ट से आमंत्रित की जाती है:-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि -12.11.2024 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि -12.11.2024 सायंकाल 4:30 बजे से

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि में
1.	वार्ड क्र.56 डंगनिया मुड़ाभाठा कदम चौक के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद)	5,00,000/-
2.	वार्ड क्र. 56 डंगनिया बस्ती उतरपारा बैगा घर के सामने मंच निर्माण कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद)	3,00,000/-
3.	वार्ड क्र. 56 डंगनिया बस्ती के पटेल मोहल्ला रामसिंह कंवर घर के पास मंच निर्माण कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद)	2,50,000/-
4.	वार्ड क्र. 57 भैरोताल में स्थित दुर्गा मंदिर परिसर का छत निर्माण, कांक्रीट कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद)	11,50,000/-

नगर निगम के विभागीय वेबसाइट website :www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

//स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें//

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

नाबालिग बालिका का रास्ता रोक किया छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

चांपा। दिनांक 22/10/24 को शाम 07/00 बजे के आस पास आरोपी बसंत लहरे अपने घर के पास गली में अकेला था। उसी समय पीडिता वहां से गुजरी तो आरोपी द्वारा सूनेपन का फायदा उठाकर नाबालिक बालिका का रास्ता रोकर उसे बेईजत्ती करने के नियत से छेडखानी करने लगा

पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी भाग गया कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 506/24 धारा 126(2),74 बीएनएस 12 पाक्सो एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया।

नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में आरोपी बसंत लहरे उम्र 35 वर्ष निवासी कोटमीसोनार थाना अकलतरा को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबध में पूछताछ किया तो जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 24.10.2024 को न्यायिक रिमांड में भेजा गया ।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मणीकांत पाण्डेय थाना प्रभारी पामगढ़, सउनि के के कोशले, प्र.आर. शरीफुद्दीन, आरक्षक अजय भानु का सराहनीय योगदान रहा।

टुल्लू पम्प चोरी करने वाले आरोपी तथा खरीददार को पकड़ने में पुलिस को मिली सफलता

चांपा। थाना बिर्रा क्षेत्र के खेत में लगे टुल्लू पम्प एवं सबमर्सिबल को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया की सूचना पर प्रार्थी हीरालाल बघेल उम्र 65 साल निवासी बिर्रा एवं प्रार्थी अभिषेक थवाईत उम्र 31 साल निवासी शक्ति के रिपोर्ट पर दिनांक 23.10.24 को थाना बिर्रा में अलग अलग अपराध कमांक 126/24 एवं 127/24 धारा 303 (2)। क्ष्हस् कायम कर विवेचना में लिया गया था।

चोरी जैसे प्रकरण की गंभीरता से लेते हुए विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में थाना बिर्रा पुलिस को मुखबीर सूचना मिली कि आरोपी नागेश कश्यप, निखिल कश्यप दोनों निवासी बिर्रा एवं उनके अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी करना तथा बेचना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर राजेंद्र कुमार जायसवाल एवम SDOP चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में आरोपीगण निखिल कर्ष उम्र 19 साल, नागेश कश्यप उम्र 23 वर्ष दोनो निवासी बिर्रा को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर अपने साथी आरोपी विश्वनाथ केंवट उम्र 19 वर्ष, नंदू कश्यप उम्र 20 वर्ष दोनो निवासी बिर्रा के साथ तथा और अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी करना और चोरी किए टुल्लू पम्प, सबमर्सिबल पम्प को (खरीददार) आरोपी चंद्रकुमार पटेल उम्र 40 वर्ष, सोनाऊ राम पटेल उम्र 38 वर्ष बलराम साहू उम्र 37 वर्ष सभी निवासी बिर्रा थाना बिर्रा जिला जांजगीर चांपा के पास बेचना बताया जाने से खरीददार आरोपियों को उसके सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ मेमोरंडम कथन लिया जाकर आरोपियों के कब्जे से

चोरी का 02 नग टुल्लू पम्प, 04 नग सबमर्सिबल पम्प कुल किमती 1,25,000/ रूपये एवं घटना में उपयोग किया पेचकश, पलास, कटर, एक नग सायकल को बरामद किया गया।

चोरी करने वाला आरोपी 01. निखिल कर्ष उम्र 19 साल, 02. नागेश कश्यप उम्र 23 वर्ष, 03. विश्वनाथ केंवट उम्र 19 वर्ष, 04. नंदू कश्यप उम्र 20 वर्ष सभी निवासी बिर्रा एवं खरीददार आरोपी 01. चंद्रकुमार पटेल उम्र 40 वर्ष 02. सोनाऊ राम पटेल उम्र 38 वर्ष, 03. बलराम साहू उम्र 37 वर्ष सभी निवासी बिर्रा थाना बिर्रा जिला जांजगीर चांपा के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण में अन्य आरोपी फरार है, विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही में उनि. कृष्ण पाल सिंह थाना प्रभारी बिर्रा, सउनि तीजराम जांगड़े, प्र.आर. वेंकट रमन पाटले, आर. सनोहर जगत, आर. दीपक तिवारी, आर. रघुवीर यादव, आर. वैभव केशरवानी का विशेष योगदान रहा।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

अनमोल वचन......

जीवन में चाहे कितनी भी बुरी घटनाएँ घटें, अच्छा व्यवहार कभी न छोड़ें, विजय सत्य की ही होती है।

कृषि क्षेत्र पर रोजगार की निर्भरता

कृषि पर रोजगार की निर्भरता घटना विकास की आम प्रक्रिया का हिस्सा है। उच्च शिक्षा में ऊंची भागीदारी और कंप्यूटर का अधिक उपयोग आज विकास के मूलभूत स्तंभ हैं। इन तीनों पैमानों पर कमजोर सूरत के साथ भारत आखिर कहां पहुंच सकता है। हाल में जारी आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट से यह चिंताजनक आंकड़ा सामने आया कि भारत में श्रमिकों का विपरीत विस्थापन हो रहा है। यानी बड़ी संख्या में मजदूर गैर-कृषि क्षेत्रों से वापस कृषि क्षेत्र में चले गए हैं। भारत सरकार की इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 2018-19 में देश में 42.5 प्रतिशत श्रमिक कृषि क्षेत्र पर आश्रित थे। 2023-24 में यह संख्या 46.1 प्रतिशत हो गई। दूसरी तरफ मैनुफैक्चरिंग एवं कंस्ट्रक्शन में लगभग समान संख्या में 11 से 12 प्रतिशत तक श्रमिकों को काम मिला हुआ है। इन दोनों क्षेत्रों में रोजगारशुदा कर्मियों की संख्या 2018-19 की तुलना में घट गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2028-19 के बाद के पांच वर्षों में छह करोड़ 80 लाख मजदूर वापस कृषि क्षेत्र में लौट गए। स्पष्टतः इनमें बड़ी संख्या उन मजदूरों की होगी, जो कोरोना महामारी के समय अपने गांव चले गए थे। लेकिन उनका वहीं बने रहना यह बताता है कि महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में रोजगार देने की पुरानी क्षमता लौटी नहीं है। गौरतलब है कि 2004-05 से 2018-19 के बीच छह करोड़ 60 लाख मजदूर कृषि क्षेत्र से दूसरे क्षेत्रों में काम करने गए थे। उसके बाद जो हालात बने, उसमें बात वापस 20 पहले वाले मुकाम पर पहुंच गई है। अब एक दूसरे सरकारी आंकड़े पर गौर करें। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारत में सिर्फ 9.9 फीसदी घरों में कंप्यूटर हैं। देश में 15 साल या उससे अधिक उम्र के हो चुके लोगों के बीच स्कूल में समय गुजारने का औसत 8.4 वर्ष बना हुआ है। मतलब यह कि उच्च शिक्षा में आबादी का एक छोटा हिस्सा ही पहुंच पाता है। इन तीन आंकड़ों को ध्यान में रखें, तो अंदाजा लगाना आसान हो जाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान कैसा है और भविष्य की संभावनाएं कितनी मजबूत हैं। कृषि क्षेत्र पर रोजगार की निर्भरता घटना विकास की आम प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं उच्च शिक्षा में ऊंची भागीदारी और कंप्यूटर का अधिक उपयोग आज विकास के मूलभूत स्तंभ हैं। इन तीनों पैमानों पर कमजोर सूरत के साथ भारत आखिर कहां पहुंच सकता है।

राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपकी मुलाकात किसी प्रभावशाली व्यक्ति से होगी। आज आप अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। पिछले कुछ समय से आप जिस वक्त का इंतजार कर रहे थे, वो इंतजार आज खत्म होगा । परिस्थितियां अनुकूल बनी रहेगी। जीवनसाथी आज आपको नन्हे मेहमान के आने की खुशखबरी दें सकते है। जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी ।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। आज दोपहर बाद परिस्थितियां बहुत ही अनुकूल रहेगी। किसी पॉलिसी में पैसा लगाने जा रहे हैं तो पहले उसके बारे में पूरी जांच- पड़ताल अवश्य कर लें, या किसी जानकार व्यक्ति की सलाह लेंगे तो सारे काम बनेंगे। आज आपको निश्चित ही फायदा होगा। दूसरों से मदद की अपेक्षा ना करके अपने काम पर ही विश्वास रखें।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है 7 जिस नए काम की शुरुआत करने में आपको दिक्कतें आ रही थी, आज वे सुगमता से बनने शुरू हो जाएंगे। आज दिल की बजाय दिमाग से काम लेना जरूरी है। साझेदारी के काम में साझेदार की सलाह और अनुभव कई चीजों को व्यवस्थित करने में मदद करेंगे।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज कामों में रुकावट आने की वजह से आपके मनोबल में कमी आ सकती है। इस समय धैर्य रखना जरूरी है। अपने सगे संबंधियों के साथ बात करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें। आज जीवनसाथी से सलाह लेकर काम करना आपकी प्रगति के रास्तों को और अधिक सुगम बनाएगा।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज किसी भी महत्वपूर्ण काम को करते समय घर के बड़े बुजुर्गों की सलाह और आशीर्वाद जरूर लें, आपकी सफलता निश्चित है। कुछ समय से चल रही किसी समस्या का भी आज हल निकलेगा। आज आपके द्वारा बनाई गई कोई योजना आने वाले समय में फायदेमंद साबित होगी। पिताजी आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए धन खर्च करेंगे।

कन्या राशि-आज का दिन खुशियां लेकर आया है। व्यवसाय संबंधित गतिविधियों पर जो विचार चल रहा था, आज उन पर काम करना पड़ेगा। ऐसा करना फायदेमंद साबित होगा। कर्मचारी और सहयोगी भी अपनी पूर्ण क्षमता से सहयोग करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को कोई लक्ष्य हासिल कर लेने से राहत मिलेगी।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। अपनी प्रतिभाओं को और अधिक बेहतर बनाएंगे। योजनाओं को क्रियान्वित करने में भी अपनी उर्जा लगाएंगे। आप जिस काम के लिए काफी समय से प्रयासरत थे, वह काम आज पूरा होने वाला है।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पिछले कुछ समय से आप जिस काम के प्रति अथक मेहनत कर रहे थे, उसका उचित परिणाम मिलने ही वाला है। आज आपके अंदर कुछ अच्छे विचार आयेंगे। ज्यादा सोच-विचार करने की बजाय काम को तुरंत करने का प्रयास करेंगे, और सफल भी होंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। आज जो भी मौका मिले, उस पर ज्यादा सोच-विचार ना करके तुरंत हासिल कर लेंगे, तो ज्यादा लाभ होगा। मेहनत की अधिकता रहेगी परंतु आने वाले समय में इसके उत्तम परिणाम हासिल होंगे। नौकरी कर रहे लोगों को किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफलता मिलेगी।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके लिए लाभदायक और खुशनुमा परिस्थितियां बना रही है। घर में कोई मांगलिक कार्य संबंधी योजना भी बनेगी। अपने महत्वपूर्ण काम.... दिन की शुरुआत में ही निपटाने का प्रयास करेंगे... क्योंकि पारिवारिक गतिविधियों में भी आपका समय बीतने वाला है।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बाहरी गतिविधियों की बजाए नजदीकी संपर्कों को मजबूत करने में ध्यान केंद्रित करेंगे। आज का दिन आपके लिए लाभदायक परिस्थितियां बना रहा है। कोई फंसा हुआ पैसा निकालने के लिए किए गए प्रयास आज सफल होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला। आज आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। आज लंबे समय से कर्जा आदि से आखिरकार आपको छुटकारा मिल जाएगा। दोस्त आज शाम को कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। आज आप अपने आप को काफी अच्छा महसूस करेंगे।

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले

//कमलेश पांडे//

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार खूनी होते जा रहे लोकतंत्र और इसको संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है।

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं। आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है!उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए। मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था। सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था। क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है। यदि ऐसा है तो यह बेहद खौफनाक है। मेरा स्पष्ट मानना है कि घाटी के विकास को परवान चढ़ा रहे मजदूरों को निशाना बनाकर आतंकियों ने बड़ी कायरता और मूर्खता का परिचय दिया है।सवाल है कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद यह पहला ऐसा मौका है जब विकास की परियोजना पर आतंकियों ने सीधे हमला किया है। जिस टनल के लिए यह मजदूर काम कर रहे थे वो भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। इस साल कश्मीर में टीआरएफ का ये पहला बड़ा हमला है। इससे पहले इस साल जम्मू में इस संगठन ने आतंकी हमले को अंजाम दिया। भले ही केंद्रीय गृह सचिव ने इस आतंकी हमले की जानकारी जम्मू कश्मीर डीजीपी से ली और आतंकियों के खिलाफ चल रहे काउंटर ऑपरेशन का भी ब्योरा लिया। जानकारों का कहना है कि इस साल जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, वह जम्मू में हुए हैं। लेकिन यह पहली बार है जब कश्मीर में इस साल इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है।

वहीं, पहली बार ऐसा हुआ है कि स्थानीय (लोकल) और बाहरी (नॉन लोकल) दोनों को टारगेट किया गया है। इससे साफ है कि विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले को पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन भी अपना रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। क्योंकि गांदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह आल वेदर रोड है, जिसका निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है। यह रोड़ सीधे गांदेरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है।एक सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के गठन के महज चार दिनों के बाद ही आतंकवादियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ही विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में इतना बड़ा आतंकी हमला क्यों बोला है और इसके जरिए आतंकियों ने क्या संदेश देने की जुर्रत की है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के ऐलान और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के मात्र चार दिनों के अंदर आतंकियों ने गांदरबल में आतंकी हमला बोला है। जहां उन्होंने गुंड इलाके में सुरंग के निर्माण पर काम कर रही एक निजी कंपनी के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। दरअसल, यह आतंकी हमला सियासी रूप से भी काफी अहम है। क्योंकि जिस इलाके में यह हमला हुआ है, वह सीएम उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल के अधीन आता है और यहां से उमर अब्दुल्ला ने जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार का गठन किया है। क्या 370 की बहाली पर चुप्पी साधकर और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवाए जानें की सीएम उमर की रणनीति से आतंकवादी नाखुश हैं, क्योंकि जम्मूकश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने के उमर कैबिनेट के प्रस्ताव को अब स्त्र की मंजूरी का इंतजार है, जो देर-सबेर मिल ही जाएगी।

समझा जा रहा है कि चूंकि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन के बाद उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का वादा किया है। वो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं। साथ ही वह कश्मीर से विस्थापित हुए पंडितों की बात कर रहे हैं। इसलिए आतंकी आका उनकी इस नई चाल से परेशान हैं। जम्मू कश्मीर की सरकार के गठन के बाद कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव भी पारित किया है और उसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी भी दे दी है। इस तरह से पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अब इस पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है और लोकसभा और राज्यसभा में संशोधन विधेयक लाकर इसको अमलीजामा पहनाना बाकी है। केंद्र सरकार पहले ही पूर्ण राज्य के दर्जे की बात कह चुकी है।

वहीं, उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में शांति-अमल और विकास की बात कर रहे हैं, जिससे आतंकी बखौलाए हुए हैं। पहले जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुए और लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया है, और अब सरकार भी बन गई है, इससे आतंकियों के मंसूबे ध्वस्त होते दिख रहे हैं और आतंकी इसी बौखलाहट में ताजा हमला किया है। उनकी मंशा साफ है कि वे सिर्फ दहशत पैदा करना चाहते हैं। इसलिए इस हमले की सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि वह पीड़ित परिवारों के साथ हैं। समझा जा रहा है कि दूसरे राज्यों से आकर काम करने वाले, कश्मीरी पंडित और गैर मुस्लिम, सरकारी कर्मचारी और सेना के अधिकारी और गैर मुस्लिम आतंकियों के निशाने पर हैं और वे टारगेट किलिंग कर दहशत फैलाना चाहते हैं। अपनी इसी फितरत से आतंकी लगातार जम्मू-कश्मीर में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं और चुनकर लोगों को मार रहे हैं। इससे पहले भी 16 अक्टूबर को शोपियां में एक युवक को आतंकियों ने गोली मार दी थी। वो लगातार गैर-कश्मीरी को निशाना बना रहे हैं। गत 22 अक्टूबर 2023 को आतंकियों ने राजौरी में एक घर पर फायरिंग कर 40 साल के मोहम्मद रज्जाक की हत्या कर दी थी। मृतक कुंडा टोपे शाहदरा शरीफ का निवासी था। मोहम्मद रज्जाक का भाई सेना में काम करता है। 19 साल पहले आतंकियों ने रज्जाक के पिता की हत्या कर दी थी। वे वेलफेयर डिपार्टमेंट में कार्यरत थे और रज्जाक को पिता की जगह नौकरी मिली थी।

इसी तरह से आतंकियों ने अप्रैल 24 में ही शोपियां जिले के पदपावन में गैर कश्मीरी ड्राइवर परमजीत सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी थी। दिल्ली के रहने वाले परमजीत पर आतंकियों ने उस समय हमला बोला था, जब वह ड्यूटी पर तैनात थे। अप्रैल 24 में ही आतंकियों ने बिहार के एक प्रवासी शंकर शाह की गोली मार कर हत्या कर दी थी। इससे पहले फरवरी 24 में पंजाब के अमृतसर के दो युवकों अमृत पाल (31 वर्ष) और रोहित मसीह (25 वर्ष) को एके-47 राइफल से भून डाला था। हब्बा कदल इलाके में इस घटना को अंजाम दिया था।

यही वजह है कि इन आतंकी हमलों की चौतरफा निंदा भी हो रही है। खुद सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस घटना की निंदा की है। वहीं, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में प्रवासी मजदूरों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग के गगनगीर में निर्दोष मजदूरों पर हुए भयानक आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं, जो एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना में लगे हुए थे। उन्होंने शहीद मजदूरों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण घृणित कृत्य है। जिसमें शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें हमारे सुरक्षा बलों की ओर से कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। वहीं, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने हमले पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसी घटनाएं माहौल को खराब करेंगी। उन्होंने सरकार से निर्दोष मजदूरों पर इस तरह के क्रूर हमलों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह भी किया। इसलिए मेरा विचार है कि आतंकी, नक्सली और आपराधिक वारदातों में मारे जाने वाले शांतिप्रिय और मेहनतकश लोगों को भी अमर शहीद का दर्जा दिया जाए। क्योंकि हमारी संवैधानिक, राजनीतिक, प्रशासनिक और न्यायिक नीतियों की सामूहिक विफलता/खामियों से उतपन्न अराजक परिस्थितियों के ही शिकार तो लोग हो रहे हैं, जिनके परिजनों को भी अमर शहीदों की तरह सभी सुविधाएं प्राप्त करने का हक है। चूंकि ये सभी भारतीय नागरिक हैं, इसलिए उन्हें ये सुविधाएं मिलनी चाहिए। बेहतर होगा कि इसके लिए देश के तमाम धर्मस्थलों और सरकारी मुलाजिमों पर अधिशेष करारोपण किया जाए और इसके वास्ते एक स्थायी कोष बनाया जाए। धर्मस्थलों को मिल रहे अकूत दान का उपयोग ऐसे ही नैतिक कार्य के लिए किया जाए, तो यह अच्छा है, ताकि जनचेतना को एक नया विस्तार मिले और जिम्मेदारी भाव पनपे। क्योंकि लोगों में मनोमस्तिष्क में निरन्तर यह सवाल कौंध रहा है कि आखिर कबतक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले और यदि नहीं तो फिर सख्त उपाय क्यों नहीं अपनाते सरकारी मुलाजिम और उनके आका राजनेतागण। जवाब दीजिए!

पीएम इंटर्नशिप योजना: करके सीखने के विचार का लोकतंत्रीकरण

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं। कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15-29 वर्ष की आयु के) और आधी से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं हैं । यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कोसों दूर है। इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार-आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।

पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21-24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए, आदि को छोड़कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रूपये भी दिए जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं। लंबे समय से इंटर्नशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोक्ताओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्ब्स, जॉन डेवी, कर्ट लुईस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभवात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटर्नशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई-मेल से जुड़ा शिष्टाचार, कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं।

तस्वीरों की दुनिया

चक्रवात दाना के 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच कोलकाता में आने की संभावना है, इससे पहले हुगली नदी में नावें लंगर डाले खड़ी हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी नई दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित कार्यों की तैनाती के संबंध में समीक्षा बैठक के दौरान।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में भारत और जर्मनी के बीच पहले हॉकी मैच की शुरुआत से पहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जर्मनी के संघीय आर्थिक मामले और जलवायु संरक्षण मंत्री रॉबर्ट हेबेक के साथ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट में नामांकन दाखिल करने के बाद बोरियो विधानसभा क्षेत्र से झामुमो प्रत्याशी धनंजय सोरेन की नामांकन सभा में शामिल हुए।

ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के पारादीप में 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह के बीच चक्रवात दाना के आने की संभावना है, जिससे पारादीप मछली पकड़ने वाले बंदरगाह पर काले बादल छा गए हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायक नई दिल्ली के राजघाट रिंग रोड पर वृद्धावस्था पेंशन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

पैसों के लिए बैंकों के रवैये से परेशान कानपुर के व्यापारी, बैठक में फ्रेटरनिटी फंड की घोषणा

//सुनील बाजपेई//

कानपुर। यहां लोन लेने में विभिन्न बैंकों द्वारा तरह - तरह की अड़चने पैदा करने से अधिकांश उद्यमी और व्यापारी बहुत परेशान हैं। यहां तक कि उनका किसी ना किसी बहाने उत्पीड़न करने में भी कसर नहीं रखी जाती। इन्हीं हालातों के खिलाफ व्यापारियों और उद्यमियों की हुई एक महत्व पूर्ण बैठक में कुछ बंधक किए बगैर ही बैंकों से बहुत कम व्याज दर पर पैसा उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। इस दौरान उद्यमी व्यापारियों की हित में संस्था फ्रेंटरनिटी फंड के स्पष्ट उद्देश्य का सहमति पूर्ण भरपूर समर्थन दीप जलाकर इस भव्य आयोजन का उद्घाटन करने वाले यूपी एमटीए के संरक्षक वरिष्ठतम उद्यमी व्यापारी नेता समाजसेवी गुलशन गांधी और यूपी एम टी ए अध्यक्ष अजय कपूर आदि ने भी किया।

व्यापारियों ,उद्यमियों और ट्रांसपोर्टरों की इस महत्व पूर्ण बैठक में सह निदेशक मनीष जैन ,रजत और सम्यक जैन के साथ ही संयोजक,संचालक और डायरेक्टर उद्यमी प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि यूपी सरकार से अनुमति प्राप्त कर चिट फंड संस्था जैन संस फ्रेटरनिटी फंड प्राइवेट लिमिटेड का गठन किया गया है, जिसकी वजह से अब किसी भी व्यापारी उद्यमी को अपनी जरूरत हेतु लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर नहीं काटने होंगे। उन्हें ज्यादा ब्याज नहीं देना होगा और लोन के लिए कोई प्रॉपर्टी भी गिरवी नहीं रखनी होगी और ना ही बैंकों के किसी भी प्रकार के उत्पीड़न का शिकार होना पड़ेगा। अब व्यापारी, उद्यमी ट्रांसपोर्टर आदि सरकारी बैंकों से बहुत कम ब्याज दर पर 7 दिन के अंदर अपनी इच्छा अनुसार लोन ले सकेगा। साथ ही जिस तरह की व्यवस्था की गई है, उसके मुताबिक सदस्यों का न केवल अधिकाधिक लाभ होगा बल्कि लिए गए कर्ज की अदायगी भी आसानी से की जा सकेगी। इस संस्था के गठन के उद्देश्य से अवगत कराने के लिए एक होटल में आयोजित बैठक में मोदी सरकार के नारे सबका साथ ,सबका विकास और सबका विश्वास के अनुरूप बैंकों से लोन लेने में आने वाली तरह-तरह की अड़चनों और उत्पीड़न से उद्यमी व्यापारियों को मुक्ति दिलाने के संकल्प के साथ जैन संस फ्रेटरनिटी फंड प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना करने वाले सुप्रसिद्ध उद्यमी व्यवसाई प्रवीण जैन ने खुद का कमीशन बहुत कम और सदस्यों का अधिक होने की जानकारी देते हुए बताया कि जैन संस फ्रेटरनिटी फंड प्राइवेट लिमिटेड से पैसा चिट उठने के 7 दिवस के अन्दर पहुंचाया जायेगा। इस बैठक में अनेक उद्यमी व्यापारियों के सवालों का जवाब देते हुए जैन संस फ्रेटरनिटी फंड प्राइवेट लिमिटेड के संयोजक संचालक और चेयरमैन प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि ये चिट फण्ड 50 लाख रूपये की 40 सदस्यों की 30 लाख रुपये की दो 40 महीने की, 20 लाख की दो 30 महीने की, 10 लाख की एक 20 महीने की और 7.5 लाख की दो 20 महीने की होंगी और यदि कोई आप उत्तर प्रदेश के बाहर का सदस्य हैं तो भी चिट चलाने में कोई भी दिक्कत नहीं आएगी। सभी चिटों में सदस्य बनने वाले को दूसरी किस्त पर ही एक करोड़ से ज्यादा धनराशि उपलब्ध कराए जाने का भी भरोसा देते हुए संयोजक संचालक उद्यमी प्रवीण जैन ने कंपनी के उद्देश्य के प्रति सदस्यों का सदैव विश्वास बरकरार रखने के बारे में यह भी बताया कि सदस्यों से संबंधित धनराशि का एफ डी आर बनाकर रजिस्ट्रार के यहां तत्काल जमा भी किया जाता है। लोन देने के मामले में अड़चनों -और तरह तरह के उत्पीड़न का पर्याय बन चुकीं बैंक के सहयोग के बगैर व्यवसाय में पैसों की आने वाली दिक्कतों को दूर करने के इरादे से बुलाई गई इस महत्वपूर्ण मीटिंग में जैन संस फ्रेटरनिटी फंड प्राइवेट लिमिटेड के संयोजक संचालक और चेयर मैन प्रवीण कुमार जैन नेकिस तरह से लोन लिया जाएगा। किस तरह से उसका किस्तों के रूप में भुगतान किया जाएगा। अगर किसी भी सदस्य को नुकसान होता है तो रजिस्ट्रार द्वारा किस तरह से उसकी भरपाई की जाएगी और अगर एक ही समय पर कई लोग लोन लेना चाहते हैं तो प्राथमिकता किसे दी जाएगी आदि सवालों के संतोषजनक जवाब भी उद्यमी व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को दिए। स्वादिष्ट रात्रि भोज के साथ समाप्त हुई व्यवसाय में आर्थिक समस्या के निदान के संकल्प को लेकर आयोजित की गई इस महत्वपूर्ण मीटिंग में चर्चित उद्यमी और प्रमुख समाज सेवियों में से एक सोम गुप्ता, युवा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम शुक्ला, ट्रांसपोर्टर नेता लवी गांधी, गोल्डी गांधी, आशु गांधी ,श्याम गर्ग, राजेन्द्र छावड़ा ,राकेश कपूर ,रामू शुक्ला, अरुण वाधवा, अनिल मखीजा, गगन कालरा, आदित्य तिवारी, सुरेंद्र छाबड़ा ,वरिष्ठ व्यापारी नेता कपिल सभरवाल, संजय टंडन और भाजपा नेता अमरजीत सिंह पम्मी समेत बड़ी संख्या में उद्यमी, व्यवसायी और ट्रांसपोर्टर आदि मौजूद रहे।

संपत्ति को लेकर भाई- बहन में खिंचीं तलवारें जगन-शर्मिला ने एक दूसरे पर लगाए आरोप

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और उनकी बहन वाईएस शर्मिला रेड्डी के बीच संपत्ति को लेकर तलवारें खिंच गई हैं। जहां जगन ने बहन के खिलाफ नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) का दरवाजा खटखटाया है, वहीं आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने भी अपने भाई जगन मोहन पर आरोप लगाए।शर्मिला ने कहा कि उन्हें और उनके बच्चों को पारिवारिक संपत्तियों में हिस्से से वंचित किया जा रहा है। बेंगलुरु के उपनगर येलहंका में 20 एकड़ जमीन को लेकर भी भाई बहन में विवाद है। दरअसल जगन ने अगस्त में एनसीएलटी में याचिका दायर कर बहन शर्मिला और मां वाईएस विजयम्मा को सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और अन्य कंपनियों में शेयरों के हस्तांतरण को रद करने का आदेश देने की मांग की है।याचिका में रेड्डी ने अपनी बहन पर आरोप लगाया है कि शर्मिला ने जगन और उनकी पत्नी भारती के सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज के शेयरों को खुद के और मां विजयम्मा के नाम पर अवैध रूप से स्थानांतरित किया। याचिका पर ट्रिब्यूनल ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है और सुनवाई की अगली तारीख आठ नवंबर तय की है।पिछले माह लिखा गया शर्मिला का पत्र बुधवार को सामने आया। भाई जगन को लिखे पत्र में शर्मिला ने कहा, अब आप अपनी मां के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ अपनी बहन और उसके बच्चों को उन संपत्तियों से वंचित करने का फैसला कर चुके हैं, जिसके वे हकदार हैं। मैं इस बात से हैरान हूं कि आप हमारे महान पिता के रास्ते से किस हद तक भटक गए हैं।जगन बहन के साथ अनबन को लेकर जगन ने गुरुवार को कहा कि यह घर-घर की कहानी है। उन्होंने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आपके परिवार में कोई समस्या नहीं है।

जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज पहुंचे दिल्ली, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात, एशिया प्रशांत सम्मेलन में होंगे शामिल

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज सातवें अंतरसरकारी परामर्श और जर्मन बिजनेस के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीके 2024) में भाग लेने के लिए गुरुवार को भारत पहुंच गए। दिल्ली पहुंचने पर जर्मन चांसलर का स्वागत केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने किया। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक्स पर पोस्ट करके दी।विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जर्मनी के ओलाफ स्कोल्ज सातवें अंतरसरकारी परामर्श और जर्मन बिजनेस के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीके 2024) के लिए नई दिल्ली पहुंचे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा औपचारिक स्वागत किया गया।स्कोल्ज ने फरवरी 2023 में द्विपक्षीय राजकीय यात्रा के लिए और सितंबर 2023 में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पिछले साल दो बार भारत का दौरा किया था। वहीं, अब भारत में 24-26 अक्टूबर की यात्रा के दौरान उनके मंत्रिमंडल के वरिष्ठ मंत्री उनके साथ रहेंगे और गोवा भी जाएंगे। जर्मन चांसलर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात करेंगे, जिसके बाद दोनों नेता जर्मन बिजनेस के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन (एपीके 2024) का उद्घाटन करेंगे और वहां मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे, इस कार्यक्रम जर्मनी, भारत और अन्य देशों के नेता और सीईओ लगभग 650 बड़े बिजनेसमैन की भागीदारी होगी। ।जर्मनी और इंडो-पैसिफिक देशों के व्यापारिक नेताओं, अधिकारियों और राजनीतिक प्रतिनिधियों के लिए द्विवार्षिक कार्यक्रम से हमारे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।साथ ही पीएम मोदी और जर्मनी के चांसलर हैदराबाद हाउस में अंतर-सरकारी परामर्श और दोनों देशों के बीच समझौतों से जुड़े कार्यक्रम के लिए पहुंचेंगे।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सुरक्षाबलों के वाहन पर आतंकी हमला, दो जवान शहीद, 2 मजदूरों की भी मौत

श्रीनगर। कश्मीर संभाग के बारामुला जिले में एलओसी के पास गुरुवार को पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने गश्त पर निकले एक सैन्य वाहन पर घात लगाकर हमला किया। इसमें सेना के दो जवान बलिदान हो गए। जबकि दो सैन्य कुलियों (पोर्टर) की भी मौत हुई है। इसके अलावा तीन जवान घायल हुए हैं।हमला गुलमर्ग सब सेक्टर के ऊपरी क्षेत्र बूटापथरी में हुआ है। सूचना मिलते ही सेना व अन्य सुरक्षाबल घटनास्थल पर पहुंचे और क्षेत्र को घेर लिया है। हमले के बाद भाग निकले आतंकियों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ा दिया गया है। वहीं, घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।वहीं, हमले पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि उत्तरी कश्मीर के बूटा पथरी इलाके में सेना के वाहनों पर हुए हमले की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप कुछ लोग हताहत और घायल हुए हैं। कश्मीर में हाल ही में हुए हमलों की यह श्रृंखला गंभीर चिंता का विषय है। मैं इन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं और जान गंवाने वाले लोगों के प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग पूरी तरह से और जल्दी ठीक हो जाएं।

क्रिकेट खेल रही थी पुलिस, हथकड़ी लगे आरोपी ने मार दिया छक्का, महकमे में मची खलबली, खाकी में छूट रहे पसीने

उन्नाव, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

बैंक मित्र से लूट का आरोपी ऊगू चौकी के सिपाहियों को गच्चा देकर मय हथकड़ी के भाग निकला। जिस समय वह भागा चौकी के सिपाही क्रिकेट मैच खेल रहे थे। खलबली के बीच पुलिस टीमें दोबारा उसकी तलाश कर रही हैं।आसीवन क्षेत्र के गांव टिकरा निवासी बैंक मित्र छेदनू प्रसाद से नौ सितंबर की देर शाम फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में करीब 3.30 लाख की लूट हुई थी। 19 सितंबर को पुलिस ने एक लुटेरे अश्विनी को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा था। दो अन्य सहयोगी मुस्ताक व लकी के नाम सामने आए थे। पुलिस ने कुछ दिन बाद ही मुस्ताक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जबकि लकी फरार था।फतेहपुर चौरासी के ऊगू चौकी प्रभारी अजय शर्मा के पास इस मामले की विवेचना थी और वह ही लकी की तलाश कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, चौकी प्रभारी ने टीम के साथ बुधवार को लुटेरा लकी को पकड़ लिया और थाना में दाखिल न कर चौकी ऊगू ले आए। शाम को चौकी प्रभारी किसी काम से चले गए।

चर्चा है कि लुटेरे को हथकड़ी लगा सिपाहियों ने चौकी में बैठा दिया और वहीं क्रिकेट मैच खेलने लगे। इसी दौरान लुटेरा चौकी से हथकड़ी के साथ ही भाग निकला। कुछ देर बाद सिपाहियों को उसके भागने की बात पता चली तो पैरों तले से जमीन खिसक गई। थाना पुलिस को जानकारी देने के साथ चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और सिपाहियों को कड़ी फटकार लगा उसकी तलाश शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, लुटेरे की तलाश में पुलिस हरदोई के लिए रवाना हुई है। अन्य टीमें अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश कर रही हैं। लुटेरे के पास मोबाइल न होने से अब पुलिस के साथ उसको पकड़ना बड़ी चुनौती बन गया है। सीओ माया राय से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने लुटेरे के भागने की बात संज्ञान में न होने की बात कही है।

विमान को धमकी देने वालों की खैर नहीं, केंद्र ने मेटा और एक्स से मांगा डेटा, कल भी मिली थी उड़ानों को धमकियां

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। गुरुवार को देशभर में 83 विमानों को बम से उड़ाने की फिर धमकी मिली। पिछले 11 दिनों में 274 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। केवल बुधवार ऐसा दिन रहा, जब कोई धमकी नहीं मिली। इस बीच फर्जी बम धमकी के संदेशों और फोन काल को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने इन गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान करनी शुरू कर दी है। सरकार ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म मेटा और एक्स से कहा है कि वे अपने प्लेटफार्म से कई एयरलाइनों को निशाना बनाकर की गई ऐसी फर्जी कॉल और संदेशों से संबंधित डाटा साझा करें। यही नहीं, सरकार ने शीर्ष बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूहों से भी इस तरह के फर्जी काल करने वाले लोगों की पहचान करने में सहयोग करने को कहा है। गुरुवार को एअर इंडिया, विस्तारा और इंडिगो की 20-20 फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके अलावा अकासा

एयर की 13, अलायंस एयर और स्पाइसजेट की पांच-पांच उड़ानों को भी धमकियां मिलीं। धमकियां मिलने के बाद कुछ उड़ानों को डायवर्ट किया गया और अन्य फ्लाइटों को लैंडिंग के बाद आइसोलेशन-बे में ले जाकर सघन तलाशी ली गई।जांच एजेंसियों और एयरपोर्ट टीमों की छानबीन के बाद ये धमकियां फर्जी पाई गईं। हालांकि जांच के चलते ये फ्लाइटें देरी से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुईं।आज मिली धमकियां एडम लैंजा के नाम से बनाए गए एक एक्स हैंडल से भेजी गई हैं। लैंजा 2012 में अमेरिका के न्यूटाउन के एक स्कूल में हुए शूटआउट में शामिल था। 20 वर्षीय एडम लैंजा ने अंधाधुंध गोलीबारी कर 20 बच्चों समेत 26 लोगों को मार डाला था। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों के मोर्चा संभालते ही उसने खुद भी सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। शूटआउट करने से पहले लैंजा ने अपने घर पर ही अपनी मां की गोली मारकर हत्या की थी। उधर, केंद्रीय साइबर एजेंसियों को तकनीकी विशेषज्ञों के एक ग्रुप पर भारतीय एयरलाइनों को बम की झूठी धमकियों के साथ निशाना बनाने का संदेह है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि सरकार ने कुछ लोगों का पता लगा लिया है जो एयरलाइनों को निशाना बनाकर की गई फर्जी बम धमकी काल करने में संलिप्त थे। उन पर कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी सूत्रों ने हालांकि इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी कि ये फर्जी काल और संदेश कहां से आए तथा इनके पीछे कौन लोग थे। उन्होंने कहा कि मेटा और एक्स को सहयोग करना होगा और मांगा गया डाटा उपलब्ध कराना होगा क्योंकि मामला सार्वजनिक हित से जुड़ा है।बता दें कि एक्स पर धमकियां मिलने के बाद केंद्र ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के अधिकारियों को सहयोग न करने पर बुधवार को कड़ी फटकार लगाई थी। एक्स से पूछा था कि इस तरह की अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

बहनों से छेड़छाड़ व हमला करने वाले चार व्यक्तियों पर दोष सिद्ध

बागपत। स्कूल जाते समय नाबालिग दो बहनों से छेड़छाड़ तथा विरोध पर हमला करने के मामले में अदालत ने चार व्यक्तियों पर दोष सिद्ध किया है। सजा के प्रश्न पर शुक्रवार (आज) सुनवाई होगी। विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र पंवार व नरेश वेदवान के मुताबिक बागपत कोतवाली क्षेत्र के व्यक्ति ने 22 मई 2016 को मुकदमा दर्ज करते हुए आरोप लगाया था कि उसकी दो पोती के साथ स्कूल जाते समय गांव के युवक अकुल व बबलू छेड़छाड़ करते हैं। 20 मई 2016 को घर पर पहुंचकर आरोपित युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन मानने के बजाय उनके साथ ही कहासुनी करने लगे थे। रात को आरोपित युवकों ने अपने स्वजन के साथ मिलकर घर में घुसकर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से उनके परिवार पर हमला किया।

दिल्ली मेट्रो की महिला कोच में लगे विज्ञापन पर बवाल, सोशल मीडिया पर जमकर वायरल, विवाद के बाद DMRC ने हटाया

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए दिल्ली मेट्रो के महिला कोच में लगे एक विज्ञापन पर विवाद हो गया। बता दें कि स्तन कैंसर जागरूकता माह के मद्देनजर यह विज्ञापन लगाया गया था।कई लोगों ने इसे इंटरनेट मीडिया पर इसे पोस्ट कर विज्ञापन में स्तन कैंसर की जल्दी पहचान के लिए इस्तेमाल प्रतीकात्मक फोटो और उस पर लिखे संदेश को आपत्तिजनक बताते हुए सवाल उठाए। साथ ही जागरूकता के लिए अपनाए गए इस तरीके को गलत बताया। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के निर्देश पर विवादित विज्ञापन को मेट्रो से बुधवार देर शाम ही हटा लिया गया। वहीं मेट्रो में यह विज्ञापन लगाने वाले यूवीकैन फाउंडेशन ने विरोध को रूढ़िवादी बताते हुए अपनी पहल का बचाव किया है। विज्ञापन में बस सफर में सफर करती एक महिला को संतरे लिए हुए दिखाया गया था और

आपत्तिजनक स्लोगन लिखा गया था। यूवीकैन फाउंडेशन की मुख्य सलाहकार और ट्रस्टी पूनम नंदा ने कहा कि वह खुद इस बीमारी से दो बार पीड़ित रह चुकी हैं। दो बार का कैंसर सर्वाइवर होने के नाते स्तन कैंसर जागरूकता अभियान में इस्तेमाल रूपांतरण का समर्थन करती हैं। क्योंकि भारत में स्तन के विषय पर खुलेआम चर्चा संवेदनशील हो सकता है। रचनात्मक दृश्य स्वास्थ्य के संदर्भ में संवाद शुरू करने में मदद करते हैं। भारत में स्तन के सीधा चर्चा संवेदनशील हो सकता है।

दुनिया के कई देशों में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता अभियान में बीमारी की जल्दी पहचान को बढ़ावा देने के लिए इस तरह कई दूसरे दृश्य इस्तेमाल किए गए हैं।जिससे इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली। यूवीकैन फाउंडेशन ने तीन लाख महिलाओं को जागरूक किया है और डेढ़ लाख महिलाओं की स्क्रीनिंग कराई है। डीएमआरसी ने कहा कि एक ही मेट्रो ट्रेन में यह विज्ञापन लगाया गया था।विज्ञापन लगाने वाले कांट्रेक्टर से बात कर इसे हटा दिया गया है। डीएमआरसी लोगों की भावनाओं के प्रति सजग रहने का हमेशा प्रयास करता है और ऐसे किसी विज्ञापन को प्रोत्साहित नहीं करता जो किसी की भावनाओं को आहत करें।

आपके लिए कोरियर आया है, पार्सल के नाम पर महिला को युवक थमा गया डिब्बा- जब खोलकर देखा तो निकल गई चीख

बागपत, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

मकान मालिक के नाम पार्सल बताते हुए एक युवक ने किराएदार महिला को मांस से भरा डिब्बा थमा दिया। दुर्गंध आने पर डिब्बे में बच्चे का शव होने अफवाह फैल गई। पुलिस की मौजूदगी में डिब्बा खोला तो उसमें सड़ा हुआ मांस निकला। इसको पुलिस ने कब्जे में लेकर सैंपल जांच को भेज दिया। आरोपित युवक की तलाश चल रही है। बागपत के मुहल्ला ईदगाह में हाजी कय्यूम के मकान में एक परिवार किराए पर रहता है। गुरुवार को हाजी कय्यूम अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। दोपहर को एक युवक ने मकान पर पहुंचकर कय्यूम के बारे में जानकारी की। महिला किराएदार ने बाहर जाना बताया तो युवक कय्यूम के नाम का पार्सल बताते हुए महिला को डिब्बा थमाकर चला गया।महिला ने कय्यूम को देने के लिए डिब्बे को मकान में एक तरफ रख दिया। थोड़ी देर बाद ही डिब्बे से दुर्गंध आने लगी। उसने आस-पड़ोस के लोगों को जानकारी दी। कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी का कहना है कि प्राथमिक जांच में सामने आया कि डिब्बे में मुर्गा या मवेशी का मीट है, जिसका सैंपल जांच को भेजा गया है। यह कृत्य करने वाले युवक का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

उधर अकाली दल का छूटा दामन, इधर BJP ने चब्बेवाल सीट से दे दिया टिकट

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

पंजाब विधानसभा की चार सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व मंत्री और चार बार के विधायक सोहन ठंडल गुरुवार को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब पार्टी प्रभारी विजय रूपानी की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए। यही नहीं बीजेपी ने उन्हें चब्बेवाल सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल होने के कुछ ही घंटों बाद उनके नाम की घोषणा की गई। पार्टी के पंजाब प्रभारी और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश ने होशियारपुर में ठंडल का भाजपा में स्वागत किया।रूपानी ने कहा कि ठंडल के शामिल होने से भाजपा को मजबूती मिलेगी।

ठंडल ने एसएडी के टिकट पर होशियारपुर संसदीय क्षेत्र से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी के सदस्य रहे ठंडल ने 2012 के विधानसभा चुनाव में चब्बेवाल सीट से जीत हासिल की थी।हालांकि, 2017 और 2022 में फिर से चुने जाने की उनकी कोशिशें असफल रहीं। ठंडल पंजाब में अकाली सरकार में जेल, पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री थे। वह 1997, 2002 और 2007 में तत्कालीन माहिलपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।13 नवंबर को होगा मतदानमतदान 13 नवंबर को होगा और परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है और नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को की जाएगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। जिन चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा उनमें गिद्दड़बाहा, डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल और बरनाला शामिल हैं। यहां चुनाव इसलिए जरूरी हो गए थे क्योंकि इस सीटों के विधायक लोकसभा के लिए चुने गए थे। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने कहा कि नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है और नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को की जाएगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर है। उन्होंने कहा कि चारों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या 6,96,316 है और कुल 831 मतदान केंद्र हैं।डेरा बाबा नानक के लिए 1,93,268 मतदाता और 241 मतदान केंद्र हैं। चब्बेवाल में मतदाताओं की संख्या 1,59,254 है और 205 मतदान केंद्र हैं। गिद्दड़बाहा के लिए कुल मतदाताओं की संख्या 1,66,489 है और 173 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मेक्सिको में पुलिस स्टेशन के बाहर कार बम विस्फोट, तीन अधिकारी घायल

अकाम्बारो (मेक्सिको)। पश्चिमी मेक्सिको के अकाम्बारो शहर में एक पुलिस स्टेशन के बाहर छोड़े गए एक कार बम में तीन लोग घायल हो गए। इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। उन्होंने कहा कि एक और विस्फोट पास के शहर जेरेकुआरो में हुआ, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ।लगभग आधे घंटे के अंतर पर दो अलग-अलग शहरों में लगभग एक साथ हुए हमलों से ड्रग कार्टेल की संलिप्तता का पता चलता है जो गुआनाजुआतो में वर्षों से खूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। हिंसा के बावजूद, नवनियुक्त राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने अपने पूर्ववर्ती के गोली नहीं, गले लगाने के दृष्टिकोण को जारी रखने का वादा किया। शीनबाम ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने सेना को कार्टेल के साथ टकराव न करने का आदेश दिया है।

स्कूल के प्रिंसिपल रखेंगे निगरानी, पकड़े जाने पर होगी अर्थदंड की वसूली

खबरदार: स्कूल में गुटका, तम्बाकू खाने वाले शिक्षकों की ली जाएगी क्लास

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान की जिला स्तरीय बैठक की सम्पन्न हुई। इस बैठक में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और नशा मुक्ति के लिए विभिन्न विभागों को सख्त निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जिला खाद्य एवं औषधि नियंत्रण अधिकारी को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से मेडिकल स्टोर्स की जांच करें, जहां बिना डॉक्टर के पर्चे के नशीली दवाइयां बेची जा रही हैं। उन्होंने ऐसे मेडिकल स्टोर्स को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि वे अवैध नशीली दवाओं के विक्रय और परिवहन पर नजर रखें और समय-समय पर मेडिकल स्टोर्स जांच करें। कलेक्टर ने पटना, चरचा क्षेत्र में अवैध नशीली दवाओं के विक्रय संभावनाओं को देखते

हुए वहां लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में कोई शिक्षक-शिक्षिकाएं तम्बाकू, गुटका, बीड़ी, सिगरेट का सेवन न करें ऐसे करने पर प्राचार्य द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाएगी साथ ही आर्थिक दण्ड भी वसूली की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थाओं, अस्पताल व किसी भी कार्यालयों के आस-पास लगने वाले पान ठेला पर भी कार्यवाही करने को कहा। कलेक्टर ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मादक पदार्थों व नशे के उपयोग से होने वाली हानियों के बारे में जागरूकता लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ऐसे क्षेत्र जहां अधिकतर लोग नशा पान करते है वहां जन जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि जनभागीदारी और जन जागरूकता के माध्यम से आम लोग नशे के खिलाफ आगे आएं और लोगों को नशे के नुकसान के बारे में जागरूक करें। उनहोंने आबकारी विभाग के अधिकारियों से कहा है कि अवैध शराब बिक्री को रोकने के लिए छापेमारी की कार्यवाही करें।

कोतवाली थाने के बाथरूम में मिली एनएचएम कर्मी की लाश

बलरामपुर। शहर के कोतवाली थाने के बाथरूम में हिरासत में लिए गए एक एनएचएम कर्मी की लाश मिली है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और मृतक के परिजनों ने कोतवाली में हंगामा मचा दिया है। वहीं कोतवाली के पुलिसकर्मी किसी भी प्रकार का जवाब देने से कतरा रहे है। एनएचएम में कार्य करने वाले गुरुचंद मंडल को कोतवाली पुलिस ने किसी आरोप में हिरासत में लिया था। जिसकी गुरूवार को थाने के बाथरूम में गमछे में लटकी लाश मिली है। इस घटना से जहां थाने में हड़कंप मच गया है। वहीं कोतवाली पहुंचे मृतक के परिजन तथा एनएचएम कर्मियों ने हंगामा मचा दिया है। परिजनों का आरोप है कि उन्हें लाश देखने नहीं दिया जा रहा है। वहीं एनएचएम कर्मियों को आरोप है कि पुलिस मृतक को जबरन ले जाकर पूछताछ कर रही थी। मामले में स्वास्थ्य विभाग की डीपीएम स्मृति एक्का ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

26 एवं 27 को विशेष ग्रामसभा का आयोजन

कोरिया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिले के बैकुंठपुर एवं सोनहत विकास खंडों के ग्राम पंचायत मुख्यालय में 26 एवं 27 अक्टूबर के मध्य ग्राम सभा आयोजित करने के लिये आदेशित किया है। इस सभा में गणपूर्ति के साथ-साथ ग्राम सभा में सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति करवाने का दायित्व सरपंच, पंच एवं सचिव का होगा। विशेष ग्राम सभा की कार्यवाही छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 ख (3) अनुसार संचालित होगी। ग्राम सभा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं शाला के प्रधान पाठक उचित मूल्य दुकान के संचालनकर्ता, रोजगार सहायक, स्वास्थ्य मितान, पटवारी, विकलांग मितान, सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के मैदानी अमले एवं अन्य मैदानी कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। सोनहत के अनुविभागीय अधिकारी श्री राकेश कुमार साहू ने जानकारी दी है कि दो दिवसीय इस ग्राम सभा में विभिन्न ग्राम पंचायत मुख्यालय में निर्वाचक नामावली का वाचन कराकर इसकी शुद्धता की गहन जांच/परीक्षण कर त्रुटि रहित तैयार की जाएगी।

अंत्यावसायी सहकारी समिति: कलेक्टर ने ऋण वसूली तेज करने के दिए निर्देश

कोरिया। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के माध्यम से विभिन्न वर्गों को दिए गए ऋण की वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने तहसीलदारों को व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिले में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की वसूली लंबित है, जिसे लेकर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए नियमित समीक्षा करने के आदेश दिए हैं। जिले में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं सफाई कामगार वर्ग के हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण वितरित किया गया था। कलेक्टर ने बताया कि हितग्राही ऋण की अदायगी में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। विभाग ने लगातार संपर्क साधा और नोटिस भी जारी किए, लेकिन वसूली में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है। जिला अंत्यावसायी अधिकारी ने हितग्राहियों को किए ऋण वितरण तथा दण्ड व्याज के तहत राशि तहसीलवार वसूली की जानकारी देते हुए बताया कि बैकुण्ठपुर तहसील में 133 हितग्राहियों से 1 करोड़ 97 लाख 54 हजार 407 रुपये की वसूली होनी है। पटना तहसील में 119 हितग्राहियों से 1 करोड़ 56 लाख 63 हजार 10 रुपये वसूले जाने हैं। सोनहत तहसील में 28 हितग्राहियों से 50 लाख 79 हजार 652 रुपये की वसूली शेष है। इसी तरह पोंडी बचरा तहसील में 16 हितग्राहियों से 47 लाख 44 हजार 983 रुपये की वसूली होनी है। कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर ऋण वसूली के लिए सतत प्रयास करें और समय-समय पर ऋण वसूली की प्रगति की रिपोर्ट दें। कलेक्टर ने कहा है कि अन्य जिलों की तरह इस जिले की वसूली आर.आर.सी. प्रकरण दर्ज कर हितग्राहियों को नोटिस तामिल कराकर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए ऋण वसूली में सुधार करने भी कहा है।

महाविद्यालय में जनजाति गौरव कार्यक्रम हुआ संपन्न

सूरजपुर। शासकीय रेवती रमण मिश्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर तथा शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''जनजातीय समाज का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान'' विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में किरण केराम, मुख्य वक्ता के रूप में राम लखन पैकरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में संत सिंह, अजय इंगोले, शांति सिंह तथा किरण खेस ने सारगर्भित विचार प्रकट किए। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय गीत तथा जनजातीय विभूतियों के छायाचित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

बाल विवाह पर सख्ती, नशे के खिलाफ जागरूकता जरूरी:डॉ चतुर्वेदी

कोरिया। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आज जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों के संरक्षण और उनके पुनर्वास, बाल विवाह, नशा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक में एजेंडेवार चर्चा की गई। बाल गृह (बालक) में निवासरत 15 बच्चों को पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें अनाथ, परित्यक्त और अनफिट गार्जियन के तहत बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की पहचान के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण और रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें अब तक 19 बच्चों को बचाया गया है। बैठक में बाल विवाह, बाल श्रम और नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान पर भी चर्चा की गई। डॉ चतुर्वेदी ने सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक

कुरीति है, इसे रोकने के लिए सम्बंधित विभाग व प्रशासन हर सम्भव प्रयास कर रही है साथ ही गांवों व सामाजिक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत बताया। बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए विभाग द्वारा व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की दिशा में आवश्यक निर्देश जारी किए गए। उन्होंने नशे के खिलाफ प्राथमिक स्तर पर आंगनवाड़ी केन्द्र, स्कूल व कॉलेजों में अभियान चलाने को कहा। उन्होंने कहा नशा स्वयं, परिवार व समाज के लिए घातक है, बुराई है। उन्होंने शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूल व सार्वजनिक स्थानों में गुटका, तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट का विक्रय न हो तथा ऐसे करते पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करें। पोस्टर, पम्पलेट व अन्य प्रचार माध्यमों से नशे के खिलाफ जन जागरण करने को कहा गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने जानकारी दी कि किशोर न्याय बोर्ड में सामाजिक कार्यकर्ताओं की रिक्तियों के कारण गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े मामलों के लंबित। वर्तमान में बोर्ड के समक्ष 295 से अधिक प्रकरण लंबित हैं, जिनके जल्द निस्तारण के लिए कदम उठाने की योजना बनाई गई है। डॉ चतुर्वेदी ने इसे संज्ञान में लेते हुए एक पत्र भेजने की सहमति दी। बैठक के दौरान विशेष रूप से पॉक्सो पीड़ित बच्चों के उपचार और पुनर्वास पर जोर दिया गया। सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे में भी विशेष चर्चा की गई । सेंटर में मानसिक रूप से पीड़ित व विक्षिप्त को रखने के लिए उचित वातावरण व साफ-सुथरा कमरा में रखने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा सहित महिला एवं बाल विकास, पुलिस, श्रम, शिक्षा, खेल, समाज कल्याण, कौशल विकास आदि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्य में लापरवाही बरतने पर दो नर्सों की वेतन वृद्धि रोकने का आदेश व डॉक्टर को चेतावनी पत्र जारी

कोरिया। जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर के एस.एन.सी.यू. वार्ड में नवजात बच्चे की मृत्यु को लेकर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने सख्त कदम उठाते हुए दो नर्सों की वेतन वृद्धि का लाभ असंचयी प्रभाव से रोकने का आदेश जारी किया है साथ ही डॉ. अमीरदीप जायसवाल को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। यह घटना 10 अक्टूबर 2024 की है, जब प्रसव के बाद एस.एन.सी.यू. वार्ड में भर्ती स्वस्थ नवजात बच्चे की मृत्यु हो गई थी। श्रीमती योग्या सिंह मरकाम की शिकायत पर कलेक्टर ने इस मामले की जांच के लिए अपर कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा शिशु रोग विशेषज्ञ की संयुक्त जांच समिति गठित की थी। जांच समिति ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें पाया गया कि एस.एन.सी.यू. वार्ड में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स सुश्री रोश किरण लकड़ा और सुश्री संगीता विश्वकर्मा अपने कार्य में लापरवाही बरत रही थीं। दोनों नर्सों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई थी, लेकिन उनके उत्तर असंतोषजनक पाए गए।समिति की सिफारिश के आधार पर कलेक्टर ने संबंधित नर्सों की 5: वेतन वृद्धि का लाभ मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के आदेश के तहत असंचयी प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है। वहीं डॉ अमरदीप जायसवाल को चेतावनी पत्र जारी की गई है साथ ही भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा इस गंभीर घटना को देखते हुए कड़ी कार्रवाई की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही से बचा जा सके।

बैकुंठपुर में नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ

हमें हर हाल में नशे से दूर रहना है-कलेक्टर

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिला समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र का आज शुभारंभ किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी द्वारा किया गया। केंद्र में नशा पीड़ितों के लिए नि:शुल्क उपचार, पुनर्वास और काउंसलिंग सेवाएं प्रदान की जाएंगी। वर्तमान में केंद्र में 15 बिस्तरों की आवासीय सुविधा उपलब्ध है, जहां पीड़ितों को समुचित देखभाल और आवश्यक चिकित्सीय सहायता दी जाएगी। इस पहल से जिले में नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को बेहतर सहायता मिलने की उम्मीद है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जिलेवासियों, खासकर युवाओं से अपील करते हुए कहा कि नशा, नाश का कारण बन चुका है। ऐसे में सबकी जिम्मेदारी है कि नशे से दूर रहें। उन्होंने नशे के कारण होने वाले हादसे, दुर्घटना व लड़ाई-झगड़ा पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें हर हाल में नशे से दूर रहना है। नशा सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि तन, मन व समाज के लिए भी नुकसानदायी है। नशे से छुटकारा के लिए सकारात्मक विचार अपनाने, योगाभ्यास, व्यायाम करने, विशेषज्ञ से सलाह लेने, काम में मन लगाने, अच्छी पुस्तकें पढ़ने व अच्छी आदतें को अपनाने की जरूरत है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा नशा स्वयं, परिवार व समाज के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज निर्माण में सबकी भागीदारी आवश्यक है। शुभारंभ के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, उपसंचालक समाज कल्याण सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

दस किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ाया नाबालिग तस्कर

रायपुर। राजधानी पुलिस ने एक नाबालिग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लाख रूपये कीमत का 10 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार 24 अक्टूबर को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक सेल को सूचना प्राप्त हुई।

आम नागरिकों के लिए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का दिलाएं लाभ और सभी मिलकर करें जनसेवा का कार्य : चिंतामणि

सूरजपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। सांसद महाराज ने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार के द्वारा आम जनता के कल्याण हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने जिले के अधिकारियों को आम जनता को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही उन्होंने जिले के दूरस्थ इलाकों में स्वास्थ्य, विद्युत और शिक्षा जैसी सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू ने दिए गए निर्देशों का पालन करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए।

सांसद चिंतामणि महाराज ने जिले में मनरेगा के कार्यों की जानकारी ली और उन्होंने मनरेगा अंतर्गत कार्यों को समय पर कार्य पूरा करने के साथ समय पर सभी भुगतान के निर्देश दिए। सांसद ने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना, जल जीवन मिशन के कार्यों के प्रगति की जानकारी ली और गांवों के अंतिम छोर तक हर घर नल योजना का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे गतिविधियों, उनको प्रदाय किए जा रहे बैंक ऋण और ऋण वापसी, महिलाओं द्वारा लाभ अर्जन, लखपति दीदी योजना आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए योजना के क्रियान्वयन एवं स्वच्छता दीदियों को मिल रही सुविधा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। सांसद महाराज ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण कार्यक्रम,आयुष्मान भारत योजना, हाट बाजार क्लिनिक योजना , राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ली और दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सक तथा मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अस्पतालों में डॉक्टरों एवं अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता के साथ-साथ इलाज की समुचित व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों के डॉक्टरों एवं चिकित्साकर्मियों द्वारा पूरे मनोयोग एवं प्रतिबद्धता के साथ अस्पताल में आने वाले मरीजों का ईलाज सुनिश्चित की जाए। जिससे आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का समुचित लाभ मिल सके। सांसद ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए स्कूलों की स्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, पढ़ाई का स्तर, मध्याह्न भोजन, भवन की स्थिति एवम उसकी मरम्मत, स्कूलों और शौचालयों की साफसफाई के निर्देश दिए। इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा करते हुए उसके भवन और सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में सांसद चिंतामणि महाराज ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पीएम कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, एकीकृत बाल विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भू-अभिलेख, दीनदयाल उपाध्याय विद्युतीकरण योजना, स्कूल शिक्षा विभाग, क्रेडा विभाग अंतर्गत सोलर हाई मास्ट लाइट, सूर्यघर योजना, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमिकों का शत प्रतिशत पंजीयन एवं लाभान्वित हो रहे हितग्रहियों, नगरीय निकाय अंतर्गत संचालित आवास एवं पेयजल तथा स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विधायक भूलन सिंह मरावी , जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मरावी, बाबूलाल अग्रवाल , दिशा समिति के अन्य सदस्य, डी एफओ पंकज कमल सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। चैंपियंस ऑफ चेंज अवार्ड के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित एवं अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया इस बैठक के अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज ने चैंपियंस ऑफचेंज अवॉर्ड के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया। साथ ही जिला पंचायत अंतर्गत कर्मचारियों के असामयिक निधन होने पर उनके परिजनों को सांसद महाराज द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया।

विद्यार्थियों के कार्यक्रम के लिए प्रदाय की गई प्रशासकीय स्वीकृति

सूरजपुर। सी.एस.आर. मद की ब्याज की राशि का खर्च किए जाने के लिए जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार जिला सूरजपुर में सी.एस.आर. मद की ब्याज की राशि जिला के अंतर्गत संचालित 08 हाई स्कूलों व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कक्षा 09वीं से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 08 दिवसीय ए.आई. कार्यक्रम के लिए तीन लाख रू. राशि प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है।

मछली व्यवसाय से जुड़े लोगों का सीएससी के माध्यम से होगा पंजीयन

योजनाओं का लाभ लेने पंजीकरण अनिवार्य

कोरिया। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत भारत सरकार ने मछली पालन से जुड़े लोगों के लिए राष्ट्रीय मत्स्य पालन डिजिटल प्लेटफार्म (एन.एफ.डी.पी.) पर पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। इस योजना के तहत, मछली पालन, मत्स्याखेट और मछली बेचने के व्यवसाय में लगे सभी व्यक्तियों का पंजीकरण कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से किया जाएगा। एन.एफ.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य देशभर के मत्स्य पालकों और समितियों का डेटाबेस बनाकर उन्हें औपचारिक रूप में पहचान प्रदान करना है। इस प्लेटफार्म के जरिए मत्स्य पालक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। पंजीकरण के बाद मत्स्य विभाग द्वारा सत्यापन किया जाएगा और सत्यापन के उपरांत ही कृषकों को स्थायी प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। पंजीकरण के लिए मत्स्य पालकों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक, और आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ सीएससी, चॉइस सेन्टर पर उपस्थित होना होगा। पंजीकरण के बाद किसानों के बैंक खाते में 80 रुपये की राशि जमा की जाएगी, जबकि सीएससी को प्रत्येक एन्ट्री पर 18 रुपये का कमीशन मिलेगा।

बाल विवाह रोकथाम के लिए स्कूली छात्र व छात्राओं को किया जा रहा जागरूक

सूरजपुर। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में तथा जिला बाल कल्याण संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में बाल विवाह मुक्त अभियान अंतर्गत जिले में बाल विवाह की रोकथाम एवं युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत शासकीय आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा स्कूली छात्रों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में बताते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति को अंदर खोखला कर देता है, नशा करने वाले व्यक्तियों को समाज में प्रतिष्ठा भी समाप्त होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। बच्चे अकसर शौक के कारण या दोस्तों के संगत में रहकर नशा करने लगते है बच्चों को नशे से दूर रखने की आवश्यकता है क्योकि बच्चा एक बार नशा करता है फिर बार-बार करने लगता है। जिससे निकल पाना उसके लिए मुश्किल हो जाता है। इसलिए बच्चों को नशे से दूर रहना चाहिए। यदि कोई बच्चों को नशा करता है या नशे का सामान बिक्री करता है तो किशोर न्याय अधिनियम की धारा 77 एवं 78 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जा सकता है। जिसमें एक लाख रू. जुर्माना एवं सात साल तक की सजा का प्रवधान है। बाल विवाह के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, लड़की की आयु 18 वर्ष व लड़के की आयु 21 वर्ष होने के बाद ही विवाह किया जाना चाहिए। यदि इस आयु से पहले विवाह किया जाता है तो वह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 तहत कानून अपराध माना जाता है। इसके साथ ही किशोर न्याय अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बाल श्रम कानून, साइबर अपराध, इंटरनेट या डिजिटल उपकरणों का सही इस्तेमाल, गुड टच व बेड टच में फर्क बताते हुए विस्तृत जानकारी दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी छात्रों को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर जिला बनाने के लिए शपथ दिलवाया गया।

पांच सूत्रीय मांग को लेकर हजारों शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

बलरामपुर। बलरामपुर रामनुजगंज छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पांच सूत्रीय मांग को लेकर जिले के शिक्षक एलबी संवर्ग ने अपने पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन साप्ताहिक बाजार परिसर के शेड में धरना प्रदर्शन कर रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले के सभी विकासखंडों से बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। हजारों शिक्षकों के आज हड़ताल पर चले जाने से पूरे जिले में अध्यापन कार्य करीब करीब ठप्प रहा। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के जिला संचालक पवन सिंह एवं उपेंद्र सिंह ने बताया कि पांच सूत्रीय मांगो के लेकर पूरे जिले से हजारों की संख्या में शिक्षक साथी उपस्थित रहे। हम लोगों की मांगे जायज है सरकार को अविलम्ब मान लिया जाना चाहिए। जब तक सरकार हमारी मांगे नहीं मानती है तब तक हम सभी का संघर्ष इसी प्रकार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि हम लोगों की पांच सूत्रीय मांगों में मोदी गारंटी के तहत सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति दूर कर समस्त एलबी संवर्ग के शिक्षकों के क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान किया जाए। पूर्ण सेवा अवधि की गणना हेतु समस्त एलबी संवर्ग के पुराने पेंशन को निर्धारित करें एवं भारत सरकार द्वारा 2 सितंबर 2008 को जारी आदेश के समान 33 वर्ष पूर्ण पेंशन के स्थान पर 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन प्रावधान किया जावे।सहीत पांच सूत्री मांगे हैं। मांगो के समर्थन में दिखी एकजुटता,हजारों की संख्या में शिक्षक रहे उपस्थित। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आज जिले के दूरस्थ विकासखण्डों के दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे मांगों के समर्थन में एकजुटता दिखी।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक में भव्य आयोजन संपन्न

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक, कोरिया में 19 अक्टूबर को एक विशेष स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में 05 अक्टूबर से 15 नवंबर तक चलने वाले जनजातीय गौरव कार्यक्रमों का हिस्सा था। कार्यक्रम के दौरान संस्था के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध जनजातीय नायकों जैसे भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, और रानी दुर्गावती की वीरता और संघर्ष को रंगोली के माध्यम से चित्रांकित किया। इन नायकों की जीवन गाथाओं को चित्रों और रंगों के जरिए प्रदर्शित किया गया, जिससे छात्रों में जनजातीय समुदाय के गौरवशाली इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ी। संस्था के प्राचार्य श्री डी.एस. पवार ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में जनजातीय वीरों के देश की स्वतंत्रता में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने

जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं, और उनके वीरता की गौरवगाथाओं पर विशेष चर्चा की।

यह कार्यक्रम संस्था के सभी छात्रों, कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति में भव्य रूप से संपन्न हुआ और जनजातीय गौरवशाली इतिहास को सम्मानित करने के उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम का आयोजन डी.एस. पवार की अध्यक्षता में हुआ और इसका संयोजन हेमंत कुमार ने किया, जबकि सह-संयोजक की भूमिका राजेश कुमार ठाकुर ने निभाई। कार्यक्रम में दीपक कुमार साहू, भूषण कुमार नायक, श्रीमती वर्षा रानी सहित अन्य प्रमुख कर्मचारियों और विभागाध्यक्षों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

तरुण छत्तीसगढ़
e-Paper
www.tarunchhattisgarhkorba.com

आरएसएस नगर वार्ड में कई लोगों के नाम मतदाता सूची से गायब

कोरबा। नगर निगम के चुनाव में अब कुछ समय ही बाकी है जिसकी तैयारी जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है. और वार्ड परिसीमन के तहत मतदाता सूची जारी की गई है और वर्तमान में मतदाता सूची से संबंधित दावा आपत्ति ली जा रही है।

नगर निगम क्षेत्र के पंडित रविशंकर शुक्ला नगर के एक बड़े हिस्से के मतदाताओं को लापरवाही पूर्वक विलोपित कर दूसरे वार्ड में जोड़ दिया गया है। स्थिति ऐसी है कि परिवार के वोटों का बंटवारा कर दिया गया है, वार्ड के पूर्व पार्षद की धर्मपत्नी का वोट रविशंकर नगर में लेकिन पूर्व पार्षद और उनकी बेटी का नाम वार्ड से विलोपित कर दिया गया है, ऐसे कई मामले मिलेंगे जिन में घर के सदस्यों का वोट डालने का अधिकार अलग-अलग वार्ड में दिया गया है।

वहीं दूसरी और वार्ड के लोग मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए चक्कर काट रहे हैं और उन्हें नगर निगम के अधिकारी एवं ब्लह के द्वारा विभिन्न नियम कायादो का हवाला देकर नाम जोड़ने में आनाकानी की जा रही है। इस संबंध में नगर निगम के अधिकारी का कहना है कि वार्ड में लापरवाही तो हुई है और उन्होंने इसकी जिम्मेदारी मतदाता सूची तैयार करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर पर थोप दी। बरहाल लापरवाही जिसकी भी हो भुगतना वार्ड की जनता को पड रहा है। वार्ड में हुए मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर लापरवाही को लेकर वार्ड पार्षद के द्वारा भी नगर निगम एवं जिला निर्वाचन के अधिकारियों को सूचित किया गया है एवं इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की गई है।

हाथियों का दो दल गया जिले से बाहर, फिर भी राहत नहीं

कोरबा। जिले के कोरबा एवं कटघोरा वनमंडल अंतर्गत स्थित गांव में उत्पात मचाकर ग्रामीणों एवं वन विभाग को परेशान करने वाले हाथियों का दो दल सूरजपुर व धरमजयगढ़ चला गया है जबकि 49 हाथियों का दल अभी भी कटघोरा वनमंडल के एतमानगर वन परिक्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं जिनकी निगरानी वन विभाग द्वारा लगातार ड्रोन कैमरे व मैदानी अमले के जिए की जा रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में 11 हाथियों का दल सरगुजा के जंगलों से पहुंचा था। हाथियों का यह दल तीन दिनों तक क्षेत्र में उत्पात मचाकर ग्रामीणों की खेतों में लगे धान की फसल को नुकसान पहुंचा रहा था जिससे वन विभाग के साथ-साथ ग्रामीण भी हलाकान थे। हाथियों का यह उत्पाती दल सूरजपुर के जंगलों में पहुंच गया है। हाथियों के दीगर जिले में जाने से ग्रामीणों एवं वन विभाग ने राहत की सांस ली है।

इसी तरह कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में भी धरमजयगढ़ क्षेत्र से 10 हाथी पहुंच गए थे जो जिल्गा के जंगल में डेरा डालकर दिन भर विश्राम करते थे और रात में ग्रामीणों की खेतों में पहुंचकर धान की फसल को मटियामेट कर देते थे। हाथियों का यह दल लोनर को छोड़कर वापस धरमजयगढ़ का

रूख कर लिया है। दल से अलग हुए लोनर हाथी अब कलमीटिकरा परिसर पहुंच गया है। इसे आज सुबह यहां के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। इसकी जानकारी ग्रामीणों द्वारा दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर लोनर की निगरानी में जुट गया है जहां हाथियों का दो दल दीगर क्षेत्रों में चला गया है वहीं 49 हाथियों का दल एतमानगर जंगल में विचरण कर रहा है। हाथियों के इस दल ने बीती रात कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की फसल को रौंद डाला है जिससे ग्रामीणों को काफी क्षति उठानी पड़ी है। हाथियों के इस क्षेत्र में लंबे समय से जमे रहने से ग्रामीण परेशान हैं। खबरों के मुताबिक हाथियों का यह दल कभी एतमानगर पहुंच जाता है तो कभी पसान जटगा व केंदई क्षेत्र में ग्रामीणों की फसल को लगातार हाथी नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। हाथी समस्या से परेशान ग्रामीणों द्वारा समस्या के स्थाई समाधान तथा क्षतिपूर्ति राशि को बढ़ाए जाने की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन भी किया गया लेकिन अधिकारियों द्वारा सिवाय आश्वासन देने के अलावा कोई खास कदम नहीं उठाया गया जिससे समस्या यथावत बनी हुई है। ग्रामीण अब बड़ा आंदोलन की मानसिता बना रहे हैं।

शहरवासी चाहते हैं रेलवे स्टेशन में हो प्री-पेड बूथ व्यवस्था

कोरबा। रेलवे स्टेशन कोरबा में ऑटो के लिए प्रीपेड बूथ की व्यवस्था बनाने हेतु रेल यात्री संघर्ष समिविदन किया है। कलेक्टर, एस पी, निगम आयुक्त व डीआरएम को ज्ञापन दिया गया है।

इस सम्बन्ध में समिति के सुनील जैन ने बताया है कि कोरबा रेलवे स्टेशन के ऑटो चालक कोरबा शहर की सवारियों को अपने ऑटो में बैठाना नहीं चाहते, ऑटो चालक मोटी कमाई के चक्कर में कोरबा शहर के सवारियों की उपेक्षा करते हैं और वे कोरबा के उपनगरीय क्षेत्र जैसे बालको, कुसमुंडा, दीपका, दर्री की सवारियों को ही बैठाना चाहते हैं। कोरबा शहर की सवारियों को इग्नोर करते हैं। कोरबा से रायपुर एवं अन्य स्थानों के लिए लगभग 9 ट्रेनों का संचालन होता है। सर्वाधिक परेशानी कोरबा रेलवे स्टेशन में होती है जब ऑटो चालक पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में जाना नहीं चाहते और आए दिन रेलवे स्टेशन में विवाद की स्थिति निर्मित होती रहती है।इसका सबसे बड़ा कारण ऑटो चालक कोरबा के हैं जबकि कोरबा शहर की आबादी एक लाख के आसपास की है जो आवागमन के लिए रेल पर ही निर्भर है। इन यात्रियों को कोरबा रेलवे स्टेशन से अपने घर तक जाने के समय भारी संकट का सामना करना पड़ता है। कई बार यात्रियों को तो पैदल ही अपने घर की ओर रुख करना पड़ता है। यह समस्या उस समय विकराल हो जाती है जब रात9 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक यदि यात्रियों को रेलवे स्टेशन से घर आना हो और उनके पास समान हो तो उन्हें ऑटो के अभाव में रेलवे स्टेशन पर ही सामान सहित रहना पड़ता है। इन सभी समस्याओं को देखते हुए रेलवे स्टेशन में प्रीपेड बूथ की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है। इस समस्या का समाधान करते हुए प्रीपेड बूथ की व्यवस्था को तत्काल लागू करने कराया जाय। यदि इसमें कोई समस्या है तो प्रशासन और नगर-निगम ऑटो संघ अध्यक्ष को चाहिए कि यात्रियों की सुविधा के लिए एक निश्चित क्षेत्र पर ई-रिक्शा का संचालन प्रारंभ करें जो समिति के द्वारा संचालित हो। अधिकारियों से सुनील जैन द्वारा आग्रह किया गया है कि इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से इसका समाधान की मांग की है।

बिजली कर्मचारियों को मिला आश्वासन

कोरबा। बिजली कर्मचारी संघ और मंडल के अधिकारियों के मध्य कई मुद्दों को लेकर रायपुर में वार्ता हुई। जिसमें कई मांगों को मान लिया गया। संविदा के आधार पर नौकरी कर रहे कर्मचारियों को नियमित सहित कई मुद्दों पर सहमति बन गई है। कुछ मुद्दों पर दिवाली के बाद वार्ता होगी।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा कई मांगों को लेकर पूरे प्रदेश भर में आंदोलन चलाया जा रहा था। जन जागरण अभियान के साथ-साथ सभी संयंत्रों के सामने धरना प्रदर्शन भी हुआ था। 23 अक्टूबर को मुख्यालय में प्रदर्शन करने वाले थे लेकिन राष्ट्रीय सचिव आर.एस.जायसवाल के प्रयास के बाद बिजली कर्मचारी संघ को वार्ता के लिए बुलाया गया। इस वार्ता में वी.एस.राजपूत, नवरतन बरेठ सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिसमें कहा गया कि संविदा के आधार पर नौकरी कर रहे कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। इसके अलावा डीए व बोनस पर भी चर्चा की गई। बाद में मंडल के द्वारा बोनस देने की घोषणा कर दी गई। बोनस देने की घोषणा होने का अजय मिश्रा, शब्बीर मेमन, मदनमोहन पांडेय, केदार राठौर, संदीप राठौर, सुनीता जायसवाल सहित सभी कर्मचारियों ने स्वागत किया है। अब अगली वार्ता दिवाली के बाद होगी। अगर मांगों को पूरा नहीं किया गया तो पुनः आंदोलन पर बिजली कर्मचारी संघ जा सकते हैं।

जिला स्तरीय टेबल टेनिस चयन प्रतियोगिता 27 को कुसमुंडा में

कोरबा। ज़िला टेबल टेनिस संघ कोरबा द्वारा 10 वीं ज़िला जिला टेबल टेनिस चयन प्रतियोगिता-2024 का आयोजन आदर्श मनोरंजन समुदायिक केंद्र आदर्श नगर कूसमुंडा दिनांक 27/10/24 को किया जा रहा है। ज़िला टेबल टेनिस संघ कोरबा के सचिव रजनीश द्विवेदी ने बताया की इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों (सीनियर पुरुष एकल, सीनियर महिला एकल, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालक एकल, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालिका एकल, यूथ अंडर-17 (जुनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-17 (जुनियर) बालिका एकल, यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-15 (सब जुनियर) बालिका एकल, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालक एकल, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालिका एकल, यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक एकल तथा यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका एकल) कीहोगी इस चयन प्रतियोगिता शामिल होने वाले खिलाड़ी ही रायपुर के सप्रे शाला में आयोजित 22वीं स्टेग छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जिले की तरफ से केवल वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिन्होंने अपने स्वयं के जिले में हुई जिला प्रतियोगिता में भाग लिया है। कोरबा ज़िले के सभी टेबल टेनिस के खिलाड़ियो को 27/10/24 को 10 बजे आदर्श मनोरंजन सामुदायिक केंद्र आदर्श नगर कूसमुंडा पहुँच कर ज़िले के कोच सुरेश जायसवाल के पास अपना एंट्री फ़ीस के साथ पंजीयन करा कर चयन प्रतियोगिता में शामिल हो सकते है।

नौकरी के नाम पर पैसा देने वाले भी फंसेंगे कानूनी पचड़े में

कोरबा। नौकरी लगाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वालों से हाई कोर्ट भी चिंतित नजर आ रहा है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के निर्देश पर रजिस्ट्रार जनरल बीपी वर्मा ने एक बार फिर प्रदेशवासियों से अपील की है और सावधानी बरतने की हिदायत भी दी है। रजिस्ट्रार जनरल ने कहा है कि नौकरी लगाने के नाम पर किसी भी तरह के प्रलोभन में ना आए और ना ही किसी को राशि ही दें। नौकरी के नाम पर राशि देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

रजिस्ट्रार जनरल बीपी वर्मा ने जारी प्रपत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के द्वारा 6 अक्टूबर 2023 को आम सूचना जारी करते हुए आमजनों को सूचित किया गया था कि न्यायालयों में नियुक्ति के संबंध में किसी भी तरह के आश्वासन तथा प्रलोभन में आने से बचें, अन्यथा वे आपराधिक अभियोजन के लिए उत्तरदायी ठहराये जायेंगे।रजिस्ट्रार जनरल ने जारी प्रपत्र में लिखा है कि आम सूचना जारी करने के बावजूद भी यह देखा जा रहा है कि कुछ धोखेबाज व्यक्तियों द्वारा इस तरह के कृत्य किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। लिहाजा आमजन तथा सभी संबंधितों को पुनः सलाह दी जाती है कि छत्तीसगढ हाई कोर्ट बिलासपुर, छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त जिला न्यायालयों तथा न्यायिक व्यवस्था से संबंधित अन्य संस्थानों में उम्मीदवारों को नियुक्ति दिलाने का प्रलोभन देने तथा इस तरह के कोई भी कृत्य करने से बचें। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने चेतावनी देते हुए कहा कि नौकरी के नाम पर धन राशि देने वाला कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त कृत्य में संलिप्त पाया जाता है तो वह आपराधिक अभियोजन की कार्यवाही के लिये उत्तरदायी ठहराया जाएगा। इसी प्रकार जो व्यक्ति ऐसे प्रलोभन, आश्वासन को स्वीकार करता है, उसे भी आपराधिक अभियोजन के लिये उत्तरदायी ठहराया जाएगा। नौकरी लगाने के एवज में रुपये एठनें वालों की लगातार शिकायत मिल रही है। नौकरी के लालच व झांसे में आकर अपने जीवनभर की गाढ़ी कमाई लुटा देते हैं। नौकरी नहीं मिलती या फिर फर्जीवाड़े का शिकार होने की भनक लगते ही पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराते हैं,तब तक बहुत विलंब हो जाता है। फर्जीवाड़ा करने वाला अपने मकसद में कामयाब हो जाता है।

भामसं महामंत्री पांडे कल रहेंगे गेवरा में

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन का संभागीय अधिवेशन गेवरा वकर्स क्लब में आयोजित किया गया है। इस अधिवेशन में कार्यों की समीक्षा के बाद कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

माना जा रहा है कि बिलासपुर संभाग को दो भागों में विभक्त करते हुए कार्यकारिणी बनाया जा सकता है। एक भाग कोरबा व कुसमुंडा को मिलाकर होगा तो दूसरा भाग गेवरा, दीपका व बिलासपुर को मिलाकर किया जा सकता है। कल होने वाले अधिवेशन में भामसं के प्रदेश महामंत्री दिनेश पांडेय, भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन के टिकेश्वर राठौर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मजरूल हक अंसारी, समन्वयक सुजीत सिंह मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल की भी रहने की संभावना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अशोक सूर्यवंशी, रंजय सिंह, मदन सिंह, प्रीतम राठौर, अश्वनी मिश्रा, अमिया मिश्रा, हिरेंद्र चंद्रा, रमेश गुरुद्वान सहित अन्य कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।

जिला स्तरीय सेमीनार व कराटे ग्रेडिंग कार्यक्रम आयोजित

कोरबा। 21 अक्टूबर को चू जीन कराटे एसोसियेशन कोरबा के द्वारा जिला स्तरीय टेक्निकल सेमीनार और कराटे ग्रेडिंग कार्यक्रम सद्भावना भवन पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथिगण को स्काउट गाइड द्वारा ससम्मान मंच तक लाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम, विधायक प्रतिनिधी कुलदीप सिंह मरकाम,, विशिष्ट अतिथि डी. लाल विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में कराटे ग्रेडिंग कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया ।कराटे ग्रेडिंग सिहान राजू रावत द्वारा टेक्निकल सेमीनार एवम् कराटे ग्रेडिंग का प्रदर्शन कराया गया। समिति के जिला संरक्षक के पद पर विधायक मरकाम व संरक्षक बीईओ, अभिभावक समन्वयक का नाम पूजा सिंह ने प्रस्तावित किया।

यहां के वीरान व खंडहर भवन में संचालित होगी स्कूल

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने कई कदम उठा रही है चाहे शासकीय हो या चाहे निजी शैक्षणिक संस्थाने, बच्चो को बेहतर शिक्षा व सुविधाओं का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसके छत्तीसगढ़ सरकार लगातार इसकी मानिटरिंग भी कर रही है। लेकिन जिला स्तर पर इसका कोई असर देखने को नही मिल रहा है।

ताज़ा मामला कोरबा जिले के उपनगरीय क्षेत्र कटघोरा का है जहां गायत्री मंदिर स्थित बेसिक स्कूल जो कि वर्षों से अपने वीरान व खंडहर होने का दंश झेल रहा है। और यह भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। स्कूल भवन की खिड़कियां व दरवाजे गायब हो चुके हैं। फर्श व छत भी पूरी तरह टूट चुकी हैं। भवन की स्थिति पूरी तरह जर्जर हो चुका है। बतादें की सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन द्वारा जिला शिक्षा विभाग से पूर्व में आवेदन देकर स्कूल संचालन के लिए खाली भवन की मांग की गई थी।

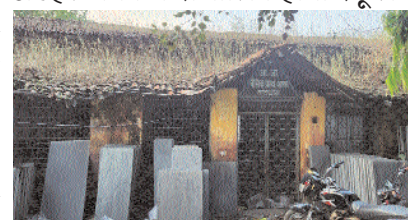

लेकिन जिला शिक्षा विभाग की इतनी बड़ी अनदेखी सामने आई है कि सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन को पत्र जारी करते हुए कटघोरा के इसी खंडहर और जर्जर पड़े भवन को स्कूल संचालन की अनुमति दी गई

है। अब बिडम्बना देखिए कि जो स्कूल वर्षों से बन्द व खंडहर पड़ा है उसमें छोटे बच्चे किस तरह शिक्षा ग्रहण करेंगे। डर के साये में किस तरह स्कूल का संचालन सम्भव होगा। आदेश जारी होने के बाद नगर में इसे लेकर लोगों में शिक्षा विभाग पर जमकर नाराज़गी देखने को मिल रही।

जब से सरस्वती शिशु मंदिर को जर्जर बेसिक स्कूल भवन में संचालन की अनुमति मिली है और यह बात कटघोरा नगर में लोगों के जहन तक पहुंची तो लोगों के मन के अनेक सवालों ने जन्म लेना शुरू के दिया है। नगर के लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग भवन की बिना जांच किये सरस्वती शिशु मंदिर को स्कूल संचालन की अनुमति दे दिया है। स्कूल संचालन में बच्चो की पढ़ाई की व्यवस्था किस तरह सुनिश्चित होगी यह भगवान भरोसे ही है। बच्चे इस खंडहर पड़े स्कूल में किस तरह शिक्षा ग्रहण करेंगे, जिस भवन की छत से लेकर फर्श, खिड़कियां व दरवाजे या तो खराब हो चुके है या गायब। सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन इस स्कूल को संचालन से पूर्व किस तरह का जीर्णोद्धार करवाएगा यह समझ से परे है।

विधायक पटेल 27 को लेंगे बैठक

कोरबा। कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रेमचंद पटेल सक्रिय सदस्यों को लेकर हदीबाजार मंडल की बैठक लेंगे। यह बैठक 27 अक्टूबर को रखी गई है। इस बैठक में प्रभारी सतविंदर बग्गा, सह प्रभारी अरूणीश तिवारी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष चुलेश्वर राठौर, अजा मोर्चा के नरेश टंडन, मंडल अध्यक्ष हरिश थरवानी मौजूद रहेंगे। कटघोरा मंडल में भी सक्रिय सदस्यता के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। यहां धन्नू दुबे, अभिषेक गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं।

सन्यास दिवस साधना शिविर 9 से

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा सन्यास दिवस साधना शिविर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। 9 नवंबर से विद्युत मंडल कालोनी के जूनियर क्लब में कार्यक्रम आयोजित होगा। इस साधना शिविर में गुरुदेव कैलाशचंद्र श्रीमाली प्रवचन व गुरु दीक्षा प्रदान करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आर.एस.वैश्य, धनीराम साहू, आर.एल.साहू, घनश्याम बरेठ, राधेलाल कर्ष, हरीश राजवाड़े सहित अन्य कार्यकर्ता जुट गए हैं।

अग्रसेन कॉलेज में लगी वाणिज्य मॉडल प्रदर्शनी

कोरबा। अंचल के दर्री रोड में संचालित श्रीअग्रसेन कन्या महाविद्यालय, कोरबा में वाणिज्य विभाग द्वारा दो दिवसीय वाणिज्य मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ 23 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल एवं श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय शिक्षण समिति के अध्यक्ष सुनील जैन विशेष

रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं द्वारा बनाये गए 40 विभिन्न मॉडलों का अवलोकन कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस अतिथिगण उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उत्साहवर्धन किया। इस दौरान अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार झा द्वारा छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रदर्शनी कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

मॉडल प्रदर्शनी कार्यक्रम के द्वितीय दिवस श्रीमती अक्षदा पुण्डलिक एवं डॉ. ए.पी. सिंह बतौर निर्णायक उपस्थित रहे। उक्त प्रदर्शनी में वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष एवं सभी सहायक प्राध्यापकों के मार्ग दर्शन में छात्राओं ने बहुत ही उत्साह के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर विविध प्रकार के सुंदर मॉडल की प्रस्तुति दी।

जेसीसी सदस्यों ने झोंकी ताकत

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व के पश्चिम क्षेत्र के खदानों में मेन पावर अधिक होने के कारण सभी श्रमिक संगठन इस क्षेत्र में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। खासकर जेसीसी सदस्य खदानों में जाकर कोयला कामगारों से मुलाकात कर रहे हैं। सदस्यता अभियान के तहत अधिक सदस्य जोड़ने के प्रयास तेज हो गए हैं। एसकेएमएस के धर्माराव, बीएमएस के अशोक सूर्यवंशी व एचएमएस के सुरेंद्र मिश्रा ने अपनी कार्यकारिणी में परिवर्तन भी किया है। एसकेएमएस में कुछ नहीं चेहरे इकाईयों में लाए गए हैं। इसी तरह एचएमएस के सुरेंद्र मिश्रा भी सभी इकाईयों न नजर रखते हुए दौरा भी कर रहे हैं।

दीपावली पर बोनस दिए जाने की मांग को लेकर ठेका कर्मियों ने घेरा जीएम कार्यालय

कोरबा। मानिकपुर स्थित एसईसीएल जीएम कार्यालय में दीपावली बोनस की मांग को लेकर निजी कंपनी के कर्मचारियों ने घेराव कर दिया। सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी जीएम कार्यालय के बाहर पहुंचे और अपनी बात अधिकारियों के समक्ष रखी। सैकड़ो की संख्या में कर्मचारियों को देख खुद जीएम ऑफिस के अधिकारी बाहर निकले और कर्मचारियों से बातचीत कर रास्ता निकालने की कोशिश की गई। बात नहीं बनने पर कर्मचारियों ने 26 तारीख को बिलासपुर सीएमडी कार्यालय का घेराव करने की बात कही।

निजी कंपनी में काम करने वाले रमे लाल धीवर ने बताया कि दशहरा और दीपावली बोनस को लेकर निजी कंपनी के कर्मचारी की वार्ता अधिकारियों के साथ चल रही थी, जहां वार्ता विफल रही। बैठक में एसईसीएल के अधिकारियों ने कहा कि ऊपर से किसी तरह का आदेश नहीं है कि हम ठेका कर्मियों को बोनस दे पाएंगे। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार

एसईसीएल के सीएमडी को पत्राचार किया जा चुका है।

इसके बावजूद भी उन्हें बोनस नहीं दिया जाता, ऐसे में उन्हें मजबूरन आने वाले दिनों में जिले के कुसमुंडा माइंस, गेवरा माइंस और मानिकपुर माइंस के निजी कंपनी के कर्मचारियों के द्वारा बोनस उन्हें नही दिया गया तो काम बंद कर एसईसीएल बिलासपुर सीएमडी आफिस का घेराव करेंगे। जिले के चारो माइंस के निजी कर्मचारी काफी संख्या में आंदोलन करेंगे।

मजदूरों की मांग है कि वो एसईसीएल खदान में निजी कंपनी में काम करते हैं और अपनी जायज मांग और हक की मांग पिछले कई सालों से दीपावली बोनस की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन नहीं दिया जा रहा है। बताया जा रहा कि मानिकपुर खदान में कलिंगा कंपनी, विनय उपाध्याय कम्पनी, एक के राकेश टी टाइन के अलावा अन्य निजी कंपनी है, जहां कर्मचारी काम करते हैं।

वहीं, कुसमुंडा माइंस में नीलकंठ कलिंग के अलावा अन्य निजी कंपनी है इसी तरह गेवरा में भी यही कंपनियां काम करती हैं, इसके कर्मचारियों ने एकजुट होकर बोनस को लेकर आंदोलन छेड़ा है। वहीं, इस संबंध में मानिकपुर एसईसीएल के एरिया मैनेजर एच के प्रधान ने बताया कि बोनस देने को लेकर किसी तरह के आदेश नहीं आए। इसे लेकर एसईसीएल के द्वारा पत्राचार जरूर किया गया है, जहां आदेश आने के बाद कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा।

जय श्रीराम
मकान बेचना है
कोसाबाड़ी में गार्डन के पास 2400 वर्गफीट में डबल स्टोरी मकान बेचना है।
जमीन खरीदी/बिक्री हेतु
संपर्क करें
प्रापर्टी डीलर
62681-46606

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com